जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, शनिवार 10 अगस्त, 2024

विचार बिन्दु

मुस्कान थके हुए के लिए विश्राम है, उदास के लिए दिन का प्रकाश है तथा कष्ट के लिए प्रकृति का सर्वोत्तम उपहार है। –अज्ञात

खुशियों और खतरों का मौसम है मानसून

तन – मन को झुलसाते गर्मी के रौद्र रूप से निजात दिलाने बारिश का मौसम अपने साथ राहत और सुकून लाता है। मगर बारिश की राहत के साथ गरजी और कड़की आकाशीय बिजली और बादल फटने की घटनाओं ने देश में कोहराम मचा दिया है। मौसम विभाग के पूर्व अनुमानों को धत्ता बताते हुए देश में विशेषकर उत्तर भारत में भीषण गर्मी से तप रहे लोगों को मानसून की बारिश ने जहाँ राहत पहुंचाई वहां आकाशीय बिजली मौत बनकर टूटी। मानसून अपने साथ जहां खुशियों की सौगात लेकर आते है वहीं मानसून के खतरे भी कम नहीं है जिससे हर साल सैंकडों लोग अकाल काल कलवित हो जाते है। अतिवृष्टि, बाढ़, आकाशीय बिजली और बादल फटने की घटना आम बात हो गई है। मॉनसून आने के साथ ही आए दिन बादल फटने और बिजली गिरने से लोगों की मौत की खबरें सामने आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दुनिया में हर साल बिजली गिरने की करीब 2 लाख 40 हज़ार घटनाएं दर्ज होती हैं। इन घटनाओं में कितनी जानें जाती हैं, इसे लेकर कई तरह के अध्ययन अलग आंकड़े बताते हैं। एक स्टडी की मानें तो दुनिया में 6 हज़ार लोग हर साल बिजली गिरने से मारे जाते हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की मानें तो सिर्फ भारत में हर साल 2500 लोग बिजली गिरने से मारे जाते हैं। ब्यूरो के अनुसार, 2000 से 2014 तक भारत में बिजली गिरने से 32,743 लोगों की मौत हुई। एक गैर सरकारी अध्ययन के मुताबिक देश में हर साल 2,500 लोग इन घटनाओं के कारण मौत के शिकार हो जाते हैं। भारत में आकाशीय बिजली की वजह से हर साल होने वाली मौत के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक भारत में आकाशीय बिजली गिरने से हर साल करीब 2500 से ज्यादा लोगों की मौत हो जाती है। देश में आकाशीय बिजली गिरने की करीब 96 प्रतिशत घटनाएं ठ्रामीण इलाकों में होती हैं।

इस आलेख में हम बिजली गिरने और बादल फटने की जानकारी आम पाठकों तक पहुँचाना चाहते है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक बारिश के साथ तेज चमकती रोशनी और उसके बाद कडकडाती आवाज सुनाई देती है।

आसमान में चमकी यह बिजली तेजी से पृथ्वी पर गिर कर इंसानों की मौत का कारण भी बनती है। आकाशीय बिजली एक शक्तिशाली करंट है। इसके गिरने के समय लोगों को खुद को बचाने का क्षण भर का समय भी नहीं मिल पाता । मौसम विभाग के अनुसार, बिजली का गिरना या आघात एक बड़ा विद्युतीय प्रवाह है जो तूफान के दौरान हवा की गति के बढ़ने और कम होने के कारण उत्पन्न होता है। इस दौरान, पृथ्वी की बाहरी परत पर सकारात्मक चार्ज होता है क्योंकि विपरीत चार्ज आकर्षित करता है, आंधी के बादलों में मौजूद नकारात्मक चार्ज पृथ्वी की बाहरी परत पर मौजूद सकारात्मक चार्ज से जुड़ना चाहता है। इसी भांति देश के कई राज्यों में इस समय बादल फटने की घटनाओं के कारण तबाही मची हुई है। देश के दक्षिण से उत्तर तक तीन राज्यों में तीन दिन के अंदर बादल फटने की 6 घटनाएं हुई हैं। केरल के वायनाड से लेकर उत्तराखंड के केदारनाथ और हिमाचल प्रदेश के कुल्लू, शिमला और मंडी जिलों में इसके चलते तबाही जैसे हालात बने हुए हैं। वायनाड में जहां सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है, वहीं केदारनाथ में सैकडों जान जल सैलाब के बीच फंसी हुई हैं।

> **मॉनसून आने के साथ ही आए दिन बादल फटने और बिजली गिरने से लोगों की मौत की खबरें सामने आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दुनिया में हर साल बिजली गिरने की करीब 2 लाख 40 हज़ार घटनाएं दर्ज होती हैं। इन घटनाओं में कितनी जानें जाती हैं, इसे लेकर कई तरह के अध्ययन अलग आंकड़े बताते हैं।**

हिमाचल के तीनों जिलों में भारी तबाही के साथ ही 50 से ज्यादा लोग लापता हैं । इन सब घटनाओं के बारे में जानकर आपके मन में भी आ रहा होगा कि आखिर बादल फटना क्या होता है? यह घटना कब और कैसे होती है? बादल फटने का कारण क्या होता है और ये घटनाएं मानसून सीजन में ही क्यों ज्यादा देखने को मिलती हैं। मौसम विभाग के अनुसार, बिजली का गिरना या आघात एक बड़ा विद्युतीय प्रवाह है जो तूफान के दौरान हवा की गति के बढ़ने और कम होने के कारण उत्पन्न होता है। इस दौरान, पृथ्वी की बाहरी परत पर सकारात्मक चार्ज होता है क्योंकि विपरीत चार्ज आकर्षित करता है, आंधी के बादलों में मौजूद नकारात्मक चार्ज पृथ्वी की बाहरी परत पर मौजूद सकारात्मक चार्ज से जुड़ना चाहता है। बादल फटने का अर्थ अचानक ही आए तूफ़ान और भीषण गर्जना के साथ तीव्र गति से होने वाली वर्षा से हैं। जब वातावरण में अधिक नमी होती है और हवा का रुख़ कुछ ऐसा होता है कि बादल दबाव से ऊपर की ओर उठते हैं और पहाड़ से टकराते हैं।

इस स्थिति में तब पानी एक साथ बरसता है। इन बादलों को 'क्यूलोनिवस' कहा जाता है। मैदानी क्षेत्रों की अपेक्षा पहाड़ी क्षेत्रों में बादल अधिक फ़टते हैं। सर्द-गर्म हवाओं के विपरीत दिशा में टकराना भी बादल फटने का मुख्य कारण माना जाता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस प्रक्रिया में पानी असमान्य तेज़ी से गिरता है, जिसे ज़मीन सोख नहीं पाती। वर्षा की गति बहुत तेज होती है, जो भूमि को नम नहीं बनाती, बल्कि मिट्टी को बहा देती है। वर्षा की तीव्रता इतनी अधिक होती है कि वह दो फुट के नाले को पानी के 50 फुट के नाले में तब्दील कर देती है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक बारिश के साथ तेज चमकती रोशनी और उसके बाद कड़कड़ाती आवाज सुनाई देती है। आसमान में चमकी यह बिजली तेजी से पृथ्वी पर गिर कर इंसानों की मौत का कारण भी बनती है। यह भी बताया जाता है तेज़ गर्मी और नमी के मिलन से बिजली वाले विशेष तरह के बादल गरज़ने के साथ तूफान का रूप ले लेते हैं। इस प्रक्रिया को थंडर स्टॉर्म कहा जाता हैं। थंडर स्टॉर्म मूल रूप से एक उठा मौसम की स्थिति है, जो बिजली के साथ आती है और एक प्रकार की तेज ध्वनि भी होती है जिसको गड़गड़ाहट के रूप में जाना जाता है। थंडरस्टॉर्म के दौरान, उत्पन्न ध्वनि या गड़गड़ाहट सुनने से पहले हम बिजली को देखते हैं क्योंकि प्रकाश ध्वनि की तुलना में तेजी से गति करता है। बादल के अंदर गर्म और नम हवा ऊपर की ओर बढ़ती है और ठंडा होकर क्यूम्यलोनिम्बस बादल बनाती है जो आंधी या थंडरस्टॉर्म का कारण बनता है। आठ-दस किलोमीटर ऊंचे ऐसे बादलों के लोअर में निगेटिव और अपर में पॉजिटिव चार्ज ज्यादा होता है। दोनों के बीच डिफरेंस कम होने पर तेजी से होने वाला डिस्चार्ज बिजली के रूप में सामने आता है। आमतौर पर एक थंडर स्टॉर्म लगभग तीस मिनट तक रहता है और इसका व्यास 15 मील तक हो सकता है। हर थंडर स्टॉर्म में आकाशीय बिजली होती है। एक्सपर्ट के अनुसार आकाशीय बिजली का तापमान सूर्य के ऊपरी सतह से भी ज्यादा होता है। इसकी क्षमता 300 किलोवॉट अर्थात 12.5 करोड़ वॉट से ज्यादा चार्ज की होती है।

मानसून में बिजली कड़कना या गिरना आम बात है। इससे बचने के लिए स्वयं की सावधानी ही जान बचा सकती है। इस दौरान लोगों को घरों पर रहना चाहिए। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का कहना है कि आकाशीय बिजली से थोड़ी समझदारी से काम लिया जाए तो आसानी से बचा जा सकता है। जब बिजली तेज कड़क रही हो तो पेड़ों के नीचे नहीं खड़ा होना चाहिए। बिजली के खंभे और टावर के आसपास नहीं खड़ा होना चाहिए। अगर आप खेत में है तो कोशिश करें कि सूखे स्थान पर चले जाएं। उकड़ू बैठकर दोनों घुटनों को जोड़कर सिर झुकाकर बैठना चाहिए। लोहे समेत धातु से बने सामान साइकिल आदि से दूर रहना चाहिए।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

अल्जाइमर रोग : रोकथाम ही इलाज़ है

डॉ. रामावतार शर्मा

आधुनिक चिकित्सा शास्त्र एक लंबी परंपरा का हिस्सा है। घरेलू उपचारों से होते हुए फिर वनौषधियों के माध्यम से गुजरता हुआ यह फैक्ट्रियों में निर्मित दवाओं तक आ पहुंचा है।

बीमारियों को हम दो स्पष्ट श्रेणियों में रख सकते हैं। एक तो वे बीमारियां जो त्वरित गति से विकसित होती हैं यानी एक्यूट इलनेस। इनमें संक्रामक रोग, दुर्घटनाएं, चाकू या गोली की मार जैसे रोग या हादसे शामिल हैं। आधुनिक चिकित्सा प्रणाली ने इन सब के उपचार में बहुत बड़ी सफलताएं प्राप्त की हैं जहां दवाओं या शल्य क्रिया द्वारा असंख्य लोगों का जीवन बचाया जा रहा है। इसके विपरीत जो रोग दीर्घकालिक यानि क्रॉनिक होते हैं उनके पूर्ण उपचार के सारे प्रयास अरबों रुपए के अनुसंधानों के बावजूद भी असफल से ही रहे हैं। यहां या तो रोग को जीवनपर्यंत दवा लेकर नियंत्रण में रखा जा सकता है या फिर कैंसर जैसे रोगों में कुछ अपवादों को छोड कर चंद वर्षों या महीनों का जीवन मिल पाता है। दीर्घकालिक रोगों पर हमारी सफलता अभी तक तो असफलता की ही यात्रा है। इन रोगों में कैंसर, आर्थराइटिस, हृदय एवम् अन्य रक्तप्रवाह संबंधी रोग, मस्तिष्क संबंधी रोग और डायबिटीज जैसे मेटाबॉलिक रोग शामिल हैं।

असफलता की इस कड़ी में एक और नाम अल्जाइमर रोग का आता है। 1906 में एक महिला की विशेष परिस्थियों में मृत्यु हुई जहां वह पूर्णतया भुलक्कड हो गई थी, उसकी याददाश्त गायब हो चली थी, भाषा पर उसका नियंत्रण खो गया था तथा वह अजीबोगरीब व्यवहार करने लगी थी। डॉक्टर एलाइज अल्जाइमर ने उसके मस्तिष्क का सूक्ष्मदर्शी (माइक्रोस्कोपिक) अध्ययन कर कई परिवर्तनों का पता किया और उनके इस प्रयास के कारण इस रोग का नाम अल्जाइमर्स रोग रखा गया। आज इस घटना के 118 वर्षों बाद भी अल्जाइमर एक असाध्य रोग बना हुआ है हालांकि कुछ दवाएं विकसित की गई हैं परंतु अंतिम परिणाम निराशाजनक ही है। पीड़ित व्यक्ति को मामूली और महंगी राहत के अलावा चिकित्सा पद्धतियों में अभी तक कोई महत्वपूर्ण सफलता हासिल नहीं हुई है। हां, सोशल मीडिया पर आधारहीन वीडियोज प्रसारित कर चालाक लोगों द्वारा बीमार लोगों का आर्थिक दोहन जरूर होने लगा है।

सामान्यतया यह रोग 65 वर्ष की उम्र के बाद देखा जाता है परंतु अब यह रोग 60 वर्ष से कम उम्र में भी पाया जाने लगा है और अंदाजा लगाया जा रहा है कि 2050 तक कम उम्र के अल्जाइमर रोगियों की संख्या तीन गुना से भी अधिक हो सकती है जो कि एक बड़ी संख्या है।

शिक्षा की कमी, विटामिन डी का अभाव, शराब का अनियंत्रित सेवन, रक्त सीआरपी स्तर का ऊंचा बने रहना, डिप्रेशन, लकवे की घटनाएं, अनियंत्रित डायबिटीज और उच्च रक्तचाप आदि कई कारण है जो वैश्विक स्तर पर इस रोग का प्रसार कर सकते हैं। अल्जाइमर का इलाज चिकित्सकों के पास नहीं है परंतु इसकी रोकथाम आपके पास है।

परिस्थियों और आनुवंशिकता को आप भाग्य नहीं मान सकते है क्योंकि इनको काफी हद तक बदलने की क्षमता आप में होती है। ऐसा करना कठिन है पर यह संभव हो सकता है। इसके लिए आपको अपने जीवन की बागडोर संभालनी होगी। प्रत्येक दिन आपको उन छोटे-छोटे अवसरों को पहचानना होगा जो जीवन में उत्साह एवम् उमंग पैदा करते हों फिर चाहे वे अल्पावधि के लिए ही क्यों न हों।

हमारे मस्तिष्क को हम या तो उपयोग में ला सकते हैं या फिर इसको खोने लगते हैं। लूडो, कैरम, शतरंज जैसे खेल, बागवानी, पौधारोपण व संरक्षण, गीत तथा संगीत या नृत्य, चित्रकारी, साहित्य या संवाद या फिर कोई समाजोपयोगी कार्य आदि आपको डिमेंशिया (मनोभ्रंश) से बचा सकते हैं। अपने जीवन में गुणवत्ता (क्वालिटी) लाइए। अपने जीवन की नाव के स्वयं ही कप्तान बनिए। अल्जाइमर जैसे जीवन नाशक रोग को रोका जा सकता है। इसे रोका ही जाना चाहिए क्योंकि रोकथाम ही इसका सर्वोत्तम इलाज है।

–डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

मकराना-फुलेरा के बीच इलेक्ट्रिक लोको दौड़ाकर सफल रन ट्रायल किया

जोधपुर से जयपुर के बीच जल्द दौड़ेगी इलेक्ट्रिक ट्रेन, राइकाबाग से फुलेरा के बीच रेल विद्युतीकरण का कार्य पूरा

जोधपुर, (कासं)। राइकाबाग से फुलेरा रेलवे स्टेशनों के बीच रेल विद्युतीकरण का कार्य पूरा होने के साथ ही जोधपुर की राजधानी दिल्ली से इलेक्ट्रिक ट्रेन से सीधी कनेक्टिविटी हो गई है। उत्तर-पश्चिम रेलवे के प्रधान मुख्य बिजली इंजीनियर मनीष कुमार गुप्ता के निर्देशन में डेगाना-फुलेरा रेल खंड के मकराना से फुलेरा रेलवे स्टेशनों के बीच इलेक्ट्रिक लोको 110 किलोमीटर प्रतिघंटा की स्पीड से दौड़ाकर सफल रन ट्रायल लिया गया। अब जल्द ही जोधपुर से जयपुर के बीच इलेक्ट्रिक ट्रेन का संचालन हो प्रारंभ हो सकेगा।

जोधपुर डीआरएम पंकज कुमार सिंह ने बताया कि मकराना से फुलेरा रेलवे स्टेशनों के बीच 64 किलोमीटर लंबे रेल मार्ग पर विद्युतीकरण के साथ ही जोधपुर मंडल पर कुल 1626 किमी रुट में से 1568 किमी रेल मार्ग पर विद्युतीकरण का कार्य पूरा हो गया है। अब राइकाबाग-जैसलमेर रेल मार्ग पर थैयात हमीरा से सानू रेलवे स्टेशनों के बीच सिर्फ 58 किलोमीटर लाइन का विद्युतीकरण कार्य शेष है जिसे शीघ्र पूरा करवा लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जोधपुर से बीकानेर और मारवाड़ जंक्शन स्टेशनों के मध्य पहले से ही इलेक्ट्रिक लोको से ट्रेनों का संचालन प्रारंभ किया जा चुका है।

> ■ **अब राइकाबाग-जैसलमेर रेल मार्ग पर थैयात हमीरा से सानू रेलवे स्टेशनों के बीच सिर्फ 58 किलोमीटर लाइन का विद्युतीकरण कार्य शेष है**

डीआरएम ने बताया कि राइकाबाग से फुलेरा रेलवे स्टेशनों के बीच 250 किलोमीटर लंबे रेल मार्ग पर चरणबद्ध तरीके से रेल विद्युतीकरण का कार्य करवाया गया। जिसके तहत मकराना-मेड़ता ,मेड़ता रोड-पीपाड़ जंक्शन, पीपाड़ जंक्शन से राइकाबाग और अब मकराना से फुलेरा के मध्य विद्युतीकरण का कार्य अप व डाउन दोनों लाइनों पर करवाया गया। इस दौरान प्रमुख मुख्य बिजली इंजीनियर मनीष कुमार गुप्ता के साथ निरीक्षण दौरे में मुख्य बिजली इंजीनियर (वितरण) जगदीश चौधरी, मुख्य बिजली इंजीनियर (निर्माण) विश्वेश्वर दयाल, उप मुख्य इंजीनियर अजय इसरानी, मुख्य महाप्रबंधक (इरकॉन) विमल किशोर नागर, महाप्रबंधक सीपी अरोड़ा सहित अनेक अधिकारी, निरीक्षक व कर्मचारी थे।

तेज बरसात से पावटा की खार नदी में सालों बाद आया पानी

पावटा, (निसं)। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से चारों तरफ पानी ही पानी हो गया है। मूसलाधार बारिश के बाद पिछले 10-12 साल से सूखी पड़ी खार नदी में पानी आया। यह नजारा देख लोगों के चेहरों पर मुस्कान दौड़ गई। इस नजारे को देखने से लोग खुद को नहीं रोक पाए और नदी के पास लोगों की भीड़ जमा हो गई।

ग्रामीणों ने बताया कि करीब 10-12 साल बाद खार नदी आई है, गुरुवार को कई घंटों हुई बारिश के बाद नदी में पानी आ गया। साथ ही तेज बरसात के बाद क्षेत्र में खेत-खलियान जलमग्न हो गए। दूर-दूर तक खेतों में पानी भरा हुआ दिखाई दिया। नदी में पानी की लंबी लहर कई किलोमीटर दूर तक दिखाई दे रही थी। वहीं नदी-नाले, तालाब, बांध पानी से भरे नजर आये। आस-पास के लोगों

> ■ **तेज बरसात के बाद क्षेत्र में खेत-खलियान जलमग्न हो गए**

को पानी आने का पता चला तो बाइक, ट्रैक्टर और अन्य गाड़ियों से नदी-नालों, तालाबों में आए पानी को देखने पहुंच गए। वहीं कस्बे में नगर पालिका की पोल खुलती नजर आई। नगर पालिका की ओर से नालों की समय पर सफाई नहीं होने के चलते मुख्य मार्गों पर कई फीट पानी सड़क पर बहता नजर आया। वहीं मानसून की बारिश से किसानों के चेहरे पर भी खुशी है। तेज बारिश के बाद आगामी फसल के लिए यह बारिश सोना साबित हुई। किसान अब आगामी फसल बोने को तैयार है।

पावटा में मूसलाधार बारिश के बाद 10-12 साल से सूखी पड़ी खार नदी में पानी आया।

सरकारी स्कूलों में रोजाना सातवां पीरियड रिवीजन का रखा जाएगा, आदेश जारी

सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों को निजी स्कूलों के विद्यार्थियों के स्तर पर लाने के लिए शिक्षा विभाग का नवाचार

बीकानेर, (निसं)। सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों को निजी स्कूलों के विद्यार्थियों के स्तर पर लाने के लिए शिक्षा विभाग एक नवाचार करने जा रहा है। इसके तहत कक्षा आठवीं तक के विद्यार्थियों के सीखने का स्तर बेहतर किया जाएगा, जिससे बोर्ड परीक्षाओं और बाद में प्रतियोगी परीक्षाओं में वह पिछड़े नहीं। शिक्षा विभाग ने शिक्षा सत्र 2024-25 के लिए अकादमिक योजना तैयार की है। इसके तहत विद्यार्थियों का सीखने का स्तर उनकी कक्षा के स्तर से किसी भी रूप में कम नहीं रहने दिया जाएगा।

शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने इसके लिए आदेश जारी कर दिए हैं। इसके तहत सरकारी स्कूल में रोजाना सातवां पीरियड रिवीजन का रखा जाएगा। शिक्षकों को प्रत्येक शनिवार को सप्ताह भर में इस पीरियड में कराई पढ़ाई का आंकलन भी करना होगा। इस ट्रैकिंग के आधार पर शिक्षक को सोमवार एवं मंगलवार को गणित एवं विज्ञान के वही टॉपिक फिर से पढ़ाने होंगे, जो विद्यार्थियों के दिमाग में नहीं बैठे हैं। इस पूरी कवायद के पीछे विद्यार्थी की पढ़ने की क्षमता को भी विकसित करना है। कक्षा 3 से 5 के विद्यार्थियों के पठन-पाठन कौशल में सुधार करना। लेखन कौशल में अभिवृद्धि के साथ शब्दों के सही उच्चारण, वाक्य संरचना, वर्तनी एवं व्याकरण का ज्ञान। कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थियों में साहित्यिक एवं रचनात्मक कौशल का विकास। गणितीय दक्षता के लिए सरल गणितीय संक्रियाओं की समझ उत्पन्न करना।

कक्षा 1 और 2 का रहेगा यह प्लान : विद्यार्थियों को पढ़ने-लिखने एवं समझने में सक्षम बनाना। संख्याओं की पहचान और बुनियादी गणितीय संक्रियाओं में सत्र 2026-27 तक दक्ष बनाना। विद्यार्थी कक्षा 3 में क्रमोन्नत होने से पहले पढ़ने, लिखने एवं संख्या ज्ञान में कक्षा स्तर की दक्षता में सक्षम हो जाए। गणित की प्रश्नावली और विज्ञान के सभी पाठों में फार्मूले समझ आ जाए।

शिक्षा निदेशालय के एसओ अरुण कुमार शर्मा ने बताया कि विशेष पीरियड को स्कूल में कार्यरत शिक्षकों में से ही एक शिक्षक लेगा। शिक्षा विभाग ने वर्कशीट भी जारी कर रखी है। नई व्यवस्था का उद्देश्य पढ़ाई में बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। इसमें वर्कशीट भरी जाएगी। सप्ताह के अंतिम दिन शिक्षक मूल्यांकन करेगा कि बच्चे को कौन-कौन सा अध्याय या गणित का सवाल गहराई से समझ नहीं आया। फिर सोमवार और मंगलवार को उस विषय के पीरियड में शिक्षक उसे फिर से समझाएंगे। सत्र के लिए विभाग ने यह तय किया विजन सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता में सुधार करना, लर्निंग लेवल को विद्यार्थी की कक्षा के स्तर अनुरूप लाना, शिक्षण को आसान और आनंददायी और रुचिकर बनाना है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 10 अगस्त, 2024

सावन मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, चित्रा नक्षत्र रविवार प्रातः 5:49 तक, साध्य योग दिन 2:52 तक, कौलव करण सांय 4:30 तक, चन्द्रमा आज सांय 4:18 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज कल्की जयन्ती, श्रियाल छठ, वर्ण षष्ठि, अश्वध मारूती पूजन, नमीनाथ जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:38 से 9:16 तक, चर 12:32 से 2:10 तक, लाभ-अमृत 2:10 से 5:30 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:00, सूर्यास्त 7:04

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों का विस्तार होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

सिंह
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला
नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। आज परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृश्चिक
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मकर
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा। मानसिक तनाव अभी बना रहेगा।

मीन
परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 12 प्रभात अजमेर, शनिवार 10 अगस्त, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

विपक्ष ने राज्यसभा के सभापति धनखड़ को हटाने की पूरी तैयारी की

सदन में विपक्ष के नेता खड़गे के कक्ष में 50 सांसदों ने उस पत्र पर हस्ताक्षर किये, जिसमें धनखड़ को हटाने का प्रस्ताव लिखा गया है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अगस्त। राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्ष के क्रोध एवं निराशा का बाँध आज टूट गया तथा विपक्ष सभापति के खिलाफ कार्यवाही पर आमादा हो गया।

अनुच्छेद 67, जिसमें राज्य सभा के सभापति को हटाने की व्यवस्था का उल्लेख है, के अनुसार, विपक्षी दलों के पास सभापति को हटाने के लिये जरूरी 50 प्रतिशत सदस्यों के हस्ताक्षर मौजूद हैं।

ये हस्ताक्षर विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के कार्यालय में सुरक्षित हैं, लेकिन इससे पहले कि आवश्यक कार्यवाही शुरू होती, सरकार ने दोनों सदनों को अनिश्चितकाल तक के लिये स्थगित करने का कदम उठा लिया। ज्ञातव्य है कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, संसद सोमवार, 12 अगस्त तक चलनी थी।

सभापति को हटाने की प्रक्रिया के अन्तर्गत, राज्यसभा में एक प्रस्ताव पारित कराना होता है। इसके बाद, यह प्रस्ताव लोकसभा में जाता है तथा वहाँ भी इसका पारित होना जरूरी होता है।

- पर, पत्र सदन में पेश होने से पहले सरकार ने संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चितकाल के स्थगित करने का निर्णय लेकर स्थगन की कार्यवाही पूरी कर ली, हालांकि, पूर्व लिखित कार्यक्रम के अनुसार, सदन बारह तारीख तक चलना था।
- जैसा कि विदित ही है, राज्यसभा के सभापति को पद से हटाने के लिए आर्टिकल 67 के तहत, 50 राज्यसभा के सांसदों द्वारा प्रस्ताव सदन में प्रस्तुत करना जरूरी है।
- कांग्रेस की शिकायत है कि जब से लोकसभा चुनाव के बाद, राज्यसभा का सत्र आहूत हुआ है, सभापति धनखड़ का सदन में आचरण बहुत पक्षताप पूर्ण रहा है, विशेषकर सभा में विपक्ष के नेता खड़गे के प्रति आपत्तिजनक रहा है।
- शुक्रवार को धनखड़ को अपदस्थ करने की कार्यवाही, धनखड़ द्वारा, चार बार सांसद रहीं जया बच्चन के प्रति भी आपत्तिजनक बर्ताव से शुरु हुई।
- धनखड़ ने जया बच्चन को बोलने नहीं दिया व उनका माइक साइलैंट कर दिया।
- सोनिया गांधी के नेतृत्व में विपक्ष के सांसदों ने वॉकआउट किया व फिर खड़गे के दफ्तर में इकट्ठे होकर धनखड़ को हटाने के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर शुरु हुए।

धनखड़ भारत के उपराष्ट्रपति भी है, तथा भाजपा के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, उनकी आकांक्षा भारत का राष्ट्रपति बनने की है। यही कारण है कि वे विपक्ष के खिलाफ जाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे तथा सरकार के प्रति वे पक्षपात में बहुत ज्यादा आगे भी दिखाई देते हैं।

यह स्पष्ट नहीं है कि विपक्ष धनखड़ के खिलाफ कार्यवाही करेगा या नहीं, या वह धनखड़ पर केवल दबाव बना रहा है ताकि वे निष्पक्षता का व्यवहार करने लगें।

एक कांग्रेस सांसद ने कहा कि विपक्ष सभापति से तभी से नाराज है, जब आम चुनाव के बाद संसद बुलाई गई थी। उस समय सभापति ने विपक्ष को बोलने की अनुमति नहीं दी थी तथा विपक्ष के नेता खड़गे के प्रति धनखड़ का व्यवहार अवांक्षनीय रहा है।

आज भी धनखड़ का व्यवहार पहले जैसा ही थी, जब धनखड़ और जया बच्चन के बीच बहस हुई तथा जैसा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमन सहरावत ने भारत को दिलाया ब्रॉन्ज़ मैडल

पेरिस, 9 अगस्त। भारतीय पहलवान अमन सहरावत ने शुक्रवार को पेरिस ओलंपिक में पुरुषों के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल मुकाबले में प्यूर्टो रिको के डेरियन क्रूज को 13-5 से हराकर

- भारतीय रैसलर अमन सहरावत ने पेरिस ओलंपिक में 57 किलोग्राम वर्ग में प्यूर्टो रिको के डेरियन क्रूज को 13-5 से हराकर भारत को छठा पदक दिलाया है।

देश के लिए पांचवां और कुश्ती का पहला कांस्य पदक जीता है। इसी के साथ भारत के कुल पदकों की संख्या छह हो गई हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शेख हसीना, वापस बांग्लादेश लौटने की तैयारी में हैं?

उनके पुत्र साजिद ने लंदन से इस बात की पुष्टि की कि शेख हसीना बांग्लादेश पहुंचकर आम चुनाव में भाग लेंगी

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अगस्त। बांग्लादेश से अपदस्थ पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का ब्रिटेन में शरण लेने के बजाए अपने देश लौटना तय है। उनके पुत्र माजिद ने पुष्टि की कि वे अपने देश में चुनाव लड़ेंगी।

शेख हसीना की पार्टी बांग्लादेश आवामी लीग, जो कि उनके देश छोड़ने के बाद से हमलों का शिकार हो रही थी, अब उत्साहित है। देश के कुछ इलाकों में लोग एकत्रित हो रहे हैं और शेख हसीना की वापसी की मांग कर रहे हैं।

हसीना के हैलीकाप्टर ने जबसे दिल्ली के निकट हिण्डौन एयर बेस पर लैण्ड किया है, भारत ने उनके पते ठिकाने को लेकर चुप्पी साध रखी है। किसी को नहीं पता कि वह फिलहाल कहां हैं और उन्हें किस प्रकार से सिक्योरिटी कवर उपलब्ध करवाया जा रहा है। यदि वह बांग्लादेश लौटने का निर्णय भी करती हैं तो उन्हें एक फूल-प्रूफ सिक्योरिटी कवर उपलब्ध करवाया जाएगा।

स्मरण रहे कि पूर्ववर्ती पूर्वी पाकिस्तान को पाकिस्तान सेना से सफलतापूर्वक मुक्त करवाने के बाद भारतीय सेना ने बांग्लादेश छोड़ने से पहले उसके संस्थापक शेख मुजबुर्ररमान को सुरक्षा संबंधी चेतावनी दी थी तब उन्होंने सुरक्षा कवर लेने से इनकार कर दिया था और उस इनकार का परिणाम सभी को मालुम है।

- शेख हसीना की राजनीतिक पार्टी बांग्लादेश अवामी पार्टी, बहुत पुरानी पार्टी है तथा उसके ''स्लीपर सैल'' जो देशभर में फैले हुए हैं, अब पुनः इकट्ठे हो रहे हैं, संगठित हो रहे हैं तथा मांग कर रहे हैं कि शेख हसीना वापस लौटें।
- भारत की दृष्टि से स्थिति काफी नाज़ुक है। बांग्लादेश के संस्थापक, शेख मुजीबुर रहमान को भारत ने आगाह किया था, उनकी सुरक्षा के बारे में, विशेषकर तब, जब भारतीय सेना, बांग्लादेश को आज़ाद करने के अपने प्रोजैक्ट के पूर्ण हो जाने के बाद, अपने देश लौट जायेगी।
- बंग बंधू ने इस सलाह को गंभीरता से नहीं लिया था तथा उसका नतीजा सबके सामने है।
- सुरक्षा की दृष्टि से शेख हसीना की स्थिति भी ऐसी ही है जैसी उनके पिता की थी। अतः उन्हें भी काफी मजबूत सुरक्षा की आवश्यकता होगी, उनके बांग्लादेश पहुंचने के बाद और बांग्लादेश की सेना सुरक्षा व्यवस्था प्रदान करेगी, यह संदेहाप्रद लगता है। अतः यह जिम्मेवारी भी हिन्दुस्तान पर ही आयेगी और जाने-अनजाने, चाहे अनचाहे रूप में भारत को बांग्लादेश के आंतरिक मामले में उलझने की संभावना बन रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या दक्षिण भारत में नए राजनैतिक समीकरण बन रहे हैं?

आंध्र के सत्तारूढ़ नेताओं की तेलंगाना व कर्नाटक की कांग्रेस सरकारों के साथ मीटिंग्स के आखिर क्या मायने हैं

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अगस्त। दक्षिण भारत में देश की राष्ट्रीय पार्टियों की क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टियों के साथ दिलचस्प मीटिंग्स होने जा रही हैं। इन मीटिंग्स से राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय दल भविष्य में पुनः संगठित हो सकते हैं। इससे केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा नेतृत्व वाले एन.डी.ए. के दिल की धड़कनें बढ़ना तय है।

आंध्रप्रदेश के नए मुख्यमंत्री नारा चन्द्रबाबू नायडू के अनुरोधों को केन्द्र सरकार आदेश के रूप में लेती है, चाहे वह आंध्र प्रदेश के लिए बजट आवंटन हो या विवादस्पद वक्फ़ बोर्ड (संशोधन) विधेयक को जॉइन्ट पार्लियामैन्टरी कमेटी (जे.पी.सी.) के पास भेजना हो। नायडू ने कुछ हफ्ते पूर्व ही तेलंगाना के मुख्यमंत्री से दोनों तेलुगू भाषी राज्यों के कुछ पुराने मसले हल करने को लेकर बात की।

यह आंध्रप्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं फिल्म स्टार से राजनेता बने पवन कल्याण के कर्नाटक दौरे के समान है। कर्नाटक में कांग्रेस सत्ता में है। पवन कल्याण ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री तथा कुछ प्रमुख मंत्रियों के साथ कई मीटिंग्स की थीं, जिन पर किसी का ध्यान नहीं गया था।

चूंकि, एन.डी.ए. सरकार तेलुगू देशम पार्टी (टी.डी.पी.) और उसके 16 सांसदों के समर्थन पर निर्भर है, इसलिए पुराने दोस्तों एवं सहयोगियों के बीच की ये मीटिंग्स निश्चित रूप से दिल्ली में चिन्ता का स्तर बढ़ा सकती हैं।

विदित है कि पवन कल्याण को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सरकारी मीटिंग्स के तौर पर देखी जा रही इन मेल मुलाकातों के संभावित राजनैतिक प्रभाव को लेकर केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा की बेचैनी बढ़ती हुई सी लग रही है, क्योंकि केन्द्र में भाजपा सरकार तेलूगु देशम के समर्थन पर निर्भर है।
- आंध्र के मुख्यमंत्री बनने के बाद खुद चंद्रबाबू ने तेलंगाना जाकर वहां के मुख्यमंत्री रैवन्त रेड्डी से मुलाकात की थी। दोनों तेलुगू भाषी नेताओं के बीच लम्बी चर्चा हुई थी।
- हाल ही में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और लोकप्रिय स्टार पवन कल्याण कर्नाटक गए तथा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया व अन्य मंत्रियों से मिले और यह मुलाकात भी राजनैतिक हल्कों में चर्चा का विषय बनी हुई है।

'क्या आप लड़कियों को तिलक या बिंदी लगाने से भी रोकेंगे'

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अगस्त। मुस्लिम छात्राओं के हिजाब व बुर्का पहनने पर रोक लगाने वाले मुम्बई के एक कॉलेज पर कठोर टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने पूछा कि महिलाएं क्या पहने, क्या नहीं, यह बताकर वे उनका सशक्तिकरण कैसे करेंगे?

- सुप्रीम कोर्ट ने हिजाब पर प्रतिबंध लगाने वाले एन.जी. आचार्य एण्ड डी.के. मराठे कॉलेज से सवाल पूछा।

कोर्ट ने कहा, दुर्भाग्य की बात है कि आज़ादी के इतने साल बाद भी ऐसे प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं।

मुम्बई के पेम्बूर के एन.जी. आचार्य एवं डी.के. मराठे कॉलेज द्वारा छात्राओं के बुर्का, हिजाब, नकाब, केप, स्टोल आदि पहनने पर प्रतिबंध लगाने के खिलाफ व छात्राओं द्वारा दायर याचिका की सुनवाई करते हुए जस्टिस संजीव खन्ना और पी.वी. संजय कुमार की बैंच ने आदेश पर आंशिक रोक लगा दी।

''पीठ ने कहा कि इन सबकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या इंदिरा जी ने गलती करी थी, बांग्लादेश को पाकिस्तान से आज़ाद करा के?

बांग्लादेश में हिन्दू परिवारों, मंदिरों व प्रतिष्ठानों पर एक बार फिर व्यापक हिंसात्मक हमलों के बाद बहस शुरु हुई, इंदिरा जी की भूमिका के बारे में

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अगस्त। पड़ोसी देश बाँग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर हो रही हिंसा की खबरों के बीच, सोशल मीडिया में एक ऐतिहासिक प्रश्न पर बहस चल रही है। क्या इंदिरा गान्धी ने पूर्वी पाकिस्तान पर जबरदस्ती बाँग्लादेश थोपकर गलती की थी ?

ढ़ाका से प्राप्त रिपोर्ट बता रही हैं कि बाँग्लादेश में हिन्दुओं पर हिंसा हो रही है, जो बाँग्लादेश की 170 मिलियन आबादी का 8 प्रतिशत हैं। रिपोर्ट्स बताती हैं कि आन्दोलनकारी युवाओं के बहुत बड़ी संख्या में सड़क पर उतर आने के बाद, जब शेख हसीना देश छोड़कर भाग गई थीं, उसके बाद के इस एक सप्ताह में हिन्दुओं के घरों और मन्दिरों को निशाना बनाया जा रहा है। 'बाँग्लादेश में हिन्दुओं को आमतौर से शेख हसीना की 'अवामी लीग पार्टी' का समर्थक माना जाता है। बाँग्लादेश हिन्दू, बुद्धिस्ट, क्रिश्चियन यूनिटी काउंसिल' का अनुमान है कि 5 अगस्त के बाद से, देश के 64 में से 52 जिले साम्प्रदायिक हिंसा से प्रभावित हैं।

जहाँ बाँग्लादेश के निर्माण में इंदिरा गांधी की भूमिका की करोड़ों लोग आम तौर से प्रशंसा ही करते हैं, लेकिन देश में हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा के इस नये दौर ने इन्टरनेट यूजर्स के कुछ वर्गों को अलग ही कहानी गढ़ने के लिये उकसाया है। उनका कहना है कि इंदिरा गांधी ने भारत, और खासतौर से हिन्दुओं का भारी नुकसान किया था, क्योंकि बाँग्लादेश के निर्माण में उनकी भूमिका के कारण हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा बढ़ गई थी। मधु पूर्णिमा किश्वर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, ''हिन्दुओं की नृशंस हत्याएं, जबरन धर्मान्तरण तथा हिन्दु महिलाओं के अपहरण इस बात का पर्याप्त प्रमाण हैं कि पूर्वी बंगाल में रहने वाले मुस्लिमों का मूल बंगालियों के साथ कोई जुड़ाव नहीं है। एक अन्य सोशल मीडिया यूज़र ने इस बात का प्रतिकार करते हुये कहा कि अगर इंदिरा गांधी ने दखलंदाजी नहीं की होती और 1971 में पाकिस्तान को नहीं हराया होता, तो पूर्वी पाकिस्तान में हिन्दू और बहुत बड़ी संख्या में कत्ल कर दिये होते।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इस ट्विटर युद्ध में यह तर्क दिया जा रहा है कि अवामी लीग पार्टी के नेता शेख मुजीबुर रहमान द्वारा पाकिस्तान से आज़ाद होने के सामरिक प्रयास में भारत की भूमिका सर्वज्ञात है और इस कारण बांग्लादेश के ''फण्डामैंटलिस्ट'' (रूढ़ीवादी ताकतों) की भारत के प्रति दुर्भावना और तेज हो गयी।
- इसका नवीन सबूत है, पांच अगस्त से बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ शुरु हुआ हिंसक घटनाओं का दौर।
- सोशल मीडिया पर भारी चर्चा चल रही है कि अगर बांग्लादेश को आज़ाद नहीं कराया गया होता तो हिन्दुओं के प्रति इतनी घृणा व वैमनस्य का माहौल नहीं होता।
- बांग्लादेश में आठ प्रतिशत हिन्दू हैं तथा बांग्लादेश के 64 में से 52 जिलों में भारी साम्प्रदायिक दंगे हुए हैं, जिसका मुख्य टारगेट हिन्दू हैं।

'बेल मिलना अधिकार और जेल देना अपवाद है'

सुप्रीम कोर्ट ने आप नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री को जमानत देते हुए केन्द्रीय जांच एजेंसियों व निचली अदालतों पर कड़ी टिप्पणियां कीं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट ने आज शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया को दिल्ली की आबकारी नीति के घोटाले में भ्रष्टाचार और मनी लाँडरिंग के केस में जमानत दे दी। सुप्रीम कोर्ट ने केस का ट्रायल पूरा होने में इतना लम्बा समय लगने पर हैरानी जताई और यह भी कहा कि त्वरित सुनवाई किसी भी आरोपी का मूल अधिकार है।

सी.बी.आई. द्वारा गिरफ्तारी के 18 माह बाद दिल्ली में पूर्व उपमुख्यमंत्री को जमानत मिली है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने सख्त फैसले में कहा कि वे त्वरित सुनवाई के हकदार हैं और इससे इन्कार उन्हें वापस ट्रायल कोर्ट और हाई कोर्ट भेजना उन्हें सांप-सीढ़ी के खेल में डालने जैसा होगा।

कोर्ट ने कहा, जीवन और आज़ादी का अधिकार, जो संविधान में संरक्षित है, के लिए किसी भी नागरिक को यहां वहां भटकने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है।

सिसोदिया को सी.बी.आई. ने 26 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया था और इसके दो सप्ताह के भीतर ही उन्हें ई.डी. ने गिरफ्तार कर लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें दोनों मामलों में जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि किसी को अभियोजन कार्य खत्म होने का कोई समय नहीं है इसए किसी को अनिश्चित समय तक जेल में नहीं रखा जा सकता है।

जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस के.वी. विश्वनाथ की बैंच ने कहा कि बिना किसी ट्रायल के सिसोदिया को जेल में रखना उनके मूल अधिकारों का हनन है।

जस्टिस गवई ने कहा कि 18 माह की हिरासत और ट्रायल अभी शुरु भी नहीं हुआ है आप उन्हें त्वरित सुनवाई के अधिकार से वंचित कर रहे हैं। याचिकाकर्ता की विरासत और ट्रायल अभी शुरू भी नहीं हुआ है आप उन्हें त्वरित सुनवाई के अधिकार से वंचित कर रहे हैं। याचिकाकर्ता की समाज में प्रतिष्ठा है उसके भाग जाने की आशंका नहीं है। फिर भी शर्तें लगाई जा सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ''ट्रायल कोर्ट और हाई कोर्ट को इस बात पर ध्यान देना चाहिए था। अदालते भूल गई हैं कि सजा के तौर पर जमानत नहीं रोकी जा सकती है। जमानत नियम है जेल अपवाद है।''

कोर्ट ने कहा कि आज़ादी का अधिकार बेहद पवित्र है। कोर्ट ने निचली अदालत का यह तर्क ठुकरा दिया कि सिसोदिया ने ही ट्रायल में देरी की है इसलिए इन्हें रिहा नहीं किया जाना चाहिए।

सिसोदिया की रिहाई पर आम आदर्मी पाटी ने कहा सत्य की जीत हुई है।

राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने एक्स पर लिखा कि आज सारा देश खुश है मनीष सिसोदिया दिल्ली में शिक्षा क्रांति के नायक है।

संजय सिंह, जो इसी मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत ले चुके हैं, ने कहा कि, ''यह फैसला केन्द्र की तानाशाही के मुंह पर तमाचा है। इनके जीवन के 17 महीनों को खराब किया गया है। इन दिनों में बच्चों की शिक्षा के लिए बहुत कुछ कर सकते थे।''

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सिसोदिया की रिहाई को सत्य की जीत बताया।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि सिसोदिया की रिहाई जल्दी हो जानी चाहिए थी।

सिसोदिया की जमानत के आदेश के साथ कोर्ट ने कई गंभीर टिप्पणियां की, जस्टिस गवई ने कहा, इस केस में 493 गवाह हैं इसलिए मनीष सिसोदिया का ट्रायल खत्म होने की निकट भविष्य में कोई संभावना नहीं है।

सुनावई के दौरान कोर्ट ने एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू, जो एजेंसियों की तरफ से जिद कर रहे थे, से पूछा सच बताइए आपको इस सुरंग का अंत कहा दिखाई देता है। राजू ने कहा, 25 मार्च तय होने के एक माह के भीतर।

राजू ने पूर्व में कहा था कि, देरी इसलिए हुई है कि सिसोदिया व अन्य ने सबूत चैक करने के लिए कई आवेदन दिए हैं इसलिए ट्रायल में देरी हुई है।

सिसोदिया के दस्तावेजों में छेड़छाड़ के आरोप पर कोर्ट ने कहा कि अधिकांश प्रमाण अधिसूचित हैं और ये

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जमानत के लिए आरोपी को पुनः निचली अदालतों में भेजना उसे सांप-सीढ़ी के खेल में डालना होगा। आज़ादी हरेक का अधिकार है और संविधान में संरक्षित है, इसके लिए आप उसे यहां-वहां भटकने के लिए मजबूर नहीं कर सकते हैं।
- जस्टिस गवई ने कहा, 8 महीने से बिना ट्रायल के सिसोदिया को जेल में रखना उनके मूल अधिकारों का हनन है।
- सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालतों पर नाराज़गी दर्शाई और कहा, सजा के रूप में जमानत देने से इन्कार नहीं किया जा सकता। अदालतें भूल गई हैं कि जमानत को रोका नहीं जा सकता है।
- ज्ञातव्य है कि सी.बी.आई. ने 26 फरवरी 2023 को सिसोदिया को गिरफ्तार किया था उसके कुछ दिन बाद ही उन्हें ई.डी. के सुपुर्द कर दिया गया था तब से वे जेल में ही हैं। कोर्ट ने हैरानी से पूछा कि इस केस में ट्रायल पूरा होने में आखिर कितना समय लगेगा।

शादी का झांसा देकर नाबालिग से दुष्कर्म, 20 साल की सजा

जयपुर, 9 अगस्त (का.सं.)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 महानगर द्वितीय ने शादी का झांसा देकर नाबालिग के साथ कई दिनों तक दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 55 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अभियुक्त रिश्ते में पीड़िता की मौसी के देवर का बेटा है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने पीड़िता के साथ कई बार संबंध बनाए। यदि इसमें पीड़िता की सहमति भी थी तो भी यह अपराध की श्रेणी में ही आएगा,

- पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने आरोपी पर 55 हजार रूपए का जुर्माना भी लगाया। अदालत ने कहा कि नाबालिग की सहमति का कोई महत्व ही नहीं है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक लाख की रिश्वत का लेनदेन करते टोंक जिला उद्योग केन्द्र के मुख्य प्रबंधक सहित तीन गिरफ्तार

अजय खण्डेलवाल वरिष्ठ सहायक, जिला उद्योग केन्द्र बूंदी व मामले में संलिप्त आरोपी जयंत जैन चार्टेड अकाउंटेंट निवाई, टोंक को भी पकड़ा

टोंक, (निसं)। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. तकनीकी शाखा ने टोंक में कार्रवाई करते हुये सुल्तान सिंह मीणा मुख्य प्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, टोंक एवं अजय खण्डेलवाल वरिष्ठ सहायक, जिला उद्योग केन्द्र बूंदी को आरोपी सुल्तान सिंह के टोंक स्थित निवास पर छापा मारकर एक लाख रुपये संदिग्ध रिश्वत राशि लेते-देते गिरफ्तार किया है। मामले में संलिप्त आरोपी जयंत जैन चार्टेड अकाउंटेंट निवाई, टोंक को भी पकड़ा गया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रविप्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी. बी. मुख्यालय को एक गोपनीय सूत्र-सूचना इस आशय की प्राप्त हुई कि जिला उद्योग केन्द्र टोंक में पदस्थापित मुख्य प्रबंधक सुल्तान सिंह मीणा के द्वारा जिला उद्योग केन्द्र, बूंदी के वरिष्ठ सहायक अजय खण्डेलवाल के माध्यम से विभिन्न औद्योगिक विकास योजनाओं में गलत रिपोर्ट बनाने, गलत लोन पास करने, फर्जी बिलों के आधार पर अयोग्य व्यक्तियों को अनुचित लाभ पहुंचाने की एवज में रिश्वत राशि का लेन-देन कर रहे हैं।

सुल्तान सिंह मीणा, मुख्य प्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र टोंक।

अजय खण्डेलवाल वरिष्ठ सहायक, जिला उद्योग केन्द्र बूंदी।

जयंत जैन चार्टेड अकाउंटेंट निवाई, टोंक।

जिस पर एसीबी मुख्यालय स्थित तकनीकी शाखा के उप अधीक्षक पुलिस राजेश दुरेजा की टीम द्वारा तकनीकी व गोपनीय रूप से शिकायत का सत्यापन किया गया। ए.सी.बी. जयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस रणधीर सिंह के सुपरवीजन में सत्यापन से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर शुक्रवार को ए.सी.बी. टोंक इकाई के

- आरोपी अजय खण्डेलवाल के टोंक स्थित निवास की तलाशी में छह लाख रुपये से अधिक की संदिग्ध राशि भी बरामद की गई
- विभिन्न औद्योगिक विकास योजनाओं में गलत रिपोर्ट बनाने, गलत लोन पास करने आदि की एवज में रिश्वत राशि का लेन-देन करने की सूचना मिली थी

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झाबरमल, ए.सी.बी इकाई भीलवाड़ा के उप अधीक्षक पुलिस पारसमल एवं ए.सी.बी एस.आई.यू. इकाई, जयपुर के पुलिस निरीक्षक सज्जन कुमार की टीमों द्वारा कार्रवाई करते हुये आरोपी सुल्तान सिंह मीणा मुख्य प्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, टोंक एवं अजय खण्डेलवाल वरिष्ठ सहायक, जिला उद्योग केन्द्र, बूंदी को आरोपी सुल्तान सिंह के टोंक स्थित निवास पर छापा मारकर एक लाख रुपये संदिग्ध रिश्वत राशि लेते-देते गिरफ्तार किया है। मामले में संलिप्तता के आधार पर आरोपी जयंत जैन चार्टेड अकाउंटेंट निवाई, टोंक को भी पकड़ा गया है।

आरोपी अजय खण्डेलवाल के टोंक स्थित निवास की तलाशी में छह लाख रुपये से अधिक की संदिग्ध राशि भी बरामद की गई है। एसीबी जयपुर की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपियों से पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

चांदीपुरा वायरस से दो वर्षीय मासूम की मौत

- बच्ची का शव अहमदाबाद से एम्बुलेंस द्वारा फूलियांकला उपखंड के गांव पहुंचा
- चिकित्सा टीम ने पीपीई किट पहनकर अंतिम संस्कार करवाया

शाहपुरा/भीलवाड़ा, (निसं)। शाहपुरा जिले में चांदीपुरा वायरस से पीड़ित दो वर्षीय मासूम की मौत हो गई। चांदीपुरा वायरस से ग्रसित दो वर्षीय बच्ची का शव अहमदाबाद से एम्बुलेंस द्वारा फूलियांकला उपखंड के एक गांव में पहुंचा तो पूरा गांव सन्न रहा गया। बड़े से लेकर बच्चे तक लोगों के आखों आसू थमने का नाम ही नहीं ले रहे हैं।

मासूम को चिकित्सा टीम द्वारा पीपीई किट में पैककर लाए ,केवल थोड़ी देर घर ले जाकर मुक्ति धाम के लिए रवाना हो गए। मुक्ति धाम पर परिवार जनों को पीपीई किट पहनाया गया। वहीं अंतिम संस्कार में मौजूद ग्रामवासियों को मास्क लगाया गया। अंतिम संस्कार के दौरान जिला सीएमएचओ डॉ. वी डी मीणा, फूलियाकलां एसडीएम राजकेश मीना, तहसीलदार सहित चिकित्सा टीम मौके पर मौजूद रही। अंतिम संस्कार के बाद परिवार जनों के सैंपल लिए गए तथा उनको अन्य कहीं जगह नहीं घूमने हेतु पाबंद किया गया। दुखद घटना से गांव मं बड़े से लेकर बच्चे तक लोगों के आखों आसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। वहीं चिकित्सा विभाग द्वारा गांव में सर्वे में तेजी लाई गई है।

करंट से एक की मौत

सादुलपुर, (निसं)। सिद्धमुख थाना अंतर्गत गांव गालड़ में विद्युत करंट की चपेट में आने के कारण एक 44 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई।

सिद्धमुख थाना अधिकारी रामकरण सिद्धू ने बताया कि रमन जाट निवासी गालड़ ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि शुक्रवार को सुबह उसके पिता सुभाष चंद्र जाट अपने खेत में खरपतवार हटाने का कार्य कर रहे थे। खेत में विद्युत ट्रांसफार्मर लगा हुआ है। कृषि कार्य करने के दौरान ट्रांसफार्मर में करंट आ जाने के कारण उसके पिता विद्युत करंट की चपेट में आ गए तथा उनकी मौत हो गई। सूचना पर सिद्धमुख थाना पुलिस ने घटना का मौका निरीक्षण किया तथा मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव उसके परिजनों को सौंप दिया है।

प्रदेश के 18 जिलों में 100 से ज्यादा चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

सुखा-0033 गैंग के दो सरगना गिरफ्तार, तीन जने पुलिस के रडार पर हैं

जोधपुर, (कासं)। जिला जोधपुर ग्रामीण पुलिस ने ग्रामीण जिला सहित प्रदेश के 18 जिलों में 100 से ज्यादा चोरी की वारदात करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने सोशल मीडिया पर चर्चित सुखा-0033 गैंग के दो सरगना रिजवान और श्रवण को गिरफ्तार किया है, जबकि तीन जने पुलिस के रडार पर हैं। दोनों आरोपियों ने पूछताछ में चोरियां करनी कबूली है। फिलहाल पुलिस अन्य जिलों में की गई वारदातों का पता कर रही है। साथ ही पूछताछ कर बरामदगी के प्रयास कर रही है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि पुलिस थाना खेड़ापा में हुई चोरियों के प्रकरण की जांच के लिए एएसपी भोपाल सिंह लखावत और

- आरोपियों ने सोशल मीडिया पर सुखा-0033 नाम से अकाउंट बना रखा था

जयदेव सियाग की अगुवाई में बनाई टीम ने गैंग का पर्दाफाश किया है। आरोपियों ने सोशल मीडिया पर सुखा-0033 नाम से अपना अकाउंट भी बना रखा था, जिस पर वह अपने फोटो अपलोड करते रहते हैं। उन्होंने बताया कि 150 सीसीटीवी फुटेज आदि का विश्लेषण कर सूचना एकत्रित की गई। टीम की ओर से मुखबिर तंत्र स्थापित कर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू की गई। इन सभी के आधार पर एक चोर गिरोह का पर्दाफाश हुआ जो कि श्रवणराम पूनिया जाट, रिजवान खां, मोहम्मद नहीम व कैलाश भील की ओर से संचालित था।

सूरसागर निवासी रिजवान का पता चलने के बाद राजकॉप पुलिस एप पर अपराधी के फोटो अपलोड कर मिलान किया गया। इस पर पता चला कि उसके खिलाफ अलग-अलग थानों में 13 मामले दर्ज हैं। वह सूरसागर थाने का हिस्ट्रीशीटर भी है और कुछ मामलों में वांछित चल रहा है। इसके बाद उसे दस्तयाब किया गया था। इसके बाद आरोपी श्रवणराम पूनिया को दस्तयाब करने के लिए करीब 20 स्थानों पर दबिश दी गई, लेकिन मुलजिम शातिर होने पर टीम के आने से पहले फरार हो जाता था।

किसान बनकर रेकी कर पकड़ा :-श्रवण के पकड़ में नहीं आने पर टीम के सदस्य कानाराम व हरेन्द्र ने एक ट्रैक्टर लेकर किसान की वेशभूषा पहन कर उसके आने-जाने के स्थान पर जाकर रेकी की। सूचना पुख्ता होने पर टीम ने दबिश देकर उसे दस्तयाब कर पुलिस थाना खेड़ापा लाया गया। यहां पर रिजवान और श्रवण से गहन पूछताछ करने पर उन्होंने सेवागांव की चोरी व नकबजनी करना स्वीकार किया। इस चोर गिरोह ने राजस्थान के सीकर, चूरू, नागौर, जोधपुर ग्रामीण व जोधपुर कमिश्नरेट सहित कुल 100 से अधिक स्थानों पर चोरी और नकबजनी की घटना कारित करना स्वीकार किया है। पुलिस ने गिरोह के पास से कई प्रकार के औजार और कार बरामद की है।

सिलेण्डर में आग लगने से पति-पत्नी झुलसे

गंगापुर सिटी, (निसं)। शहर के त्रिलोक नगर कॉलोनी में गुरुवार रात को सिलेंडर में आग लगने से पति-पत्नी झुलस गए। पति धर्मवीर 60 फीसदी जब्कि पत्नी 50 प्रतिशत झुलस गई। साथ ही आग लगने से अफरा-तफरा मच गई। मौके पर काफी संख्या में लोग जमा हो गए और सूचना पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी और एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। वहीं एम्बुलेंस से दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां दोनों का इलाज चल रहा है। त्रिलोक नगर कॉलोनी निवासी धर्मवीर (45) पुत्र रामखिलाड़ी बैरवा रात करीब 10 बजे सिलेंडर खत्म होने पर दूसरे सिलेंडर में रेग्यूलेटर लगा रहा था। पत्नी अनीताराज भी पास में खड़ी थी। इसी दौरान अचानक सिलेंडर ने आग पकड़ ली। आग ने थोड़ी ही देर में विकराल रूप ले लिया और घर के अंदर रखे कपड़े, बिस्तर सहित अन्य सामान ने भी आग पकड़ ली।

चिड़ावा में डेढ़ इंच बारिश

चिड़ावा, (निसं)। चिड़ावा और आसपास के क्षेत्र में मानसून की तीन दिन से अच्छी मेहरबानी हो रही है। अच्छी बारिश से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। कृषि विशेषज्ञ कृष्ण कुमार रतेरवाल ने कहा कि मानसूनी टर्फ लाइन इधर से गुजरी है, जिससे खेतों में अच्छा पानी आया है। इससे वर्तमान फसल की ग्रोथ अच्छी होगी और किसानों का मुनाफा बढ़ेगा।

इधर अल सुबह साढ़े तीन बजे से सात बजे के बीच जोरदार बारिश हुई। जिससे शहर की पिलानी रोड़, स्टेशन रोड़, कोर्ट रोड़, बागर, गौशाला रोड़, भगतों का मोहल्ला, होली चौक सहित निचले इलाकों में जलभराव हो गया, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को काफी परेशानी हुई। मौसम विभाग ने आगामी दो दिन मौसम इसी तरह का रहने और बादल छाए रहने के आसार जताए हैं। उपखंड़ मुख्यालय स्थित केंद्र से मिले आंकड़ों के अनुसार शुक्रवार सुबह आठ बजे तक 37 एमएम बारिश रात से अब तक हुई है।

चिड़ावा में बारिश से कई जगह पानी भर गया।

महिला कांस्टेबल को तबादले का झांसा देकर 16 लाख रुपए हड़पे

अजमेर, (कासं)। आरएसी में तैनात महिला कांस्टेबल से तबादले का झांसा देकर 16 लाख रुपए की धोखाधड़ी कर रकम हड़पने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने शुक्रवार को अलवर गेट थाने में दो पुलिस कर्मियों के खिलाफ शिकायत देते हुए मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अलवर थाना प्रभारी श्यामसिंह ने बताया कि आरएसी अजमेर में तैनात महिला कांस्टेबल तारामणी ने लिखित शिकायत देते हुए दो पुलिसकर्मियों के खिलाफ धोखाधड़ी कर रकम हड़पने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। दर्ज रिपोर्ट में महिला कांस्टेबल तारामणी ने बताया कि वह

- पीड़िता ने दो पुलिस कर्मियों के खिलाफ थाने में शिकायत दी

लंबे समय से जयपुर तबादले के लिए प्रयास कर रही है।

हाड़ी रानी बटालियन में तैनात कांस्टेबल मुकेश चौधरी और दरगाह थाने में तैनात कांस्टेबल नेमीचंद ने तबादला करवाने का झांसा देकर 16 लाख रुपए हड़प लिए। पहले तो दोनों आरोपियों ने ट्रांसफर की प्रक्रिया में देरी होने का बहाना बनाया, लेकिन जब काफी समय बीत गया और कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो महिला कांस्टेबल को संदेह हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी की गई है। तारामणी ने पुलिस को बताया कि करीब 6 लाख रुपए दोनों कांस्टेबलों को नकद दिए और शेष राशि करीब 10 लाख रुपए इनके खातों में जमा कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अलवर थाना प्रभारी श्याम सिंह ने बताया कि पुलिस संबंधित बैंकों से आरोपी मुकेश और नेमीचंद के खातों में जमा हुई राशि की जानकारी जुटा रही है। इनके बैंक स्टेटमेंट जुटाए जा रहे हैं। इस घटना ने पुलिस विभाग में हड़कंप मचा दिया है और विभागीय अधिकारियों ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस के उच्च अधिकारी इस मामले की जांच की निगरानी कर रहे हैं और जल्द ही इस मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कोटा के अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क में बाघ ने दम तोड़ा

कोटा, (निसं)। अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क में एक बाघ की शुक्रवार को मौत हो गई। बाद में उसका पूरे प्रोटोकॉल से पोस्टमार्टम करने के बाद अंतिम संस्कार किया । बाघ 18 साल का था। उसे 1 मार्च 2023 को जयपुर के नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क से कोटा लाया गया था। सामान्य तौर पर बायोलॉजिकल पार्क या जू में रहने वाले बाघ की उम्र 15 साल होती है लेकिन ये उससे ज्यादा उम्र तक जीवित रहा है।

उपवन संरक्षक अनुराग भटनागर ने बताया कि बाघ गुरुवार शाम 6.15 बजे डिस्प्ले एरिया में था। यहां उसके पिछले हिस्से का मूवमेंट नहीं हो पा रहा था। बार-बार बाघ गोल घूम कर नीचे गिर रहा था। इस संबंध में पशु चिकित्सा और अन्य अधिकारियों को सूचना मिली थी। ऐसे में वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. विलास राव गुल्हाने पहुंचे और उन्होंने दवाई दी थी लेकिन स्वास्थ्य में कोई ज्यादा फर्क नहीं आया और सुबह बाघ ने अंतिम सांस ली। डॉ.विलास राव गुल्हाने ने बताया कि 1 मार्च 2023 को बाघ को कोटा लाया गया था। इसके पोस्टमार्टम में तीन डॉक्टरों की टीम थी। पोस्टमार्टम के साथ ही कुछ सैंपल भी लिए। जिन्हें इंडियन वेटरीनरि रिसर्च इंस्टीट्यूट इज्जत नगर भेजा जा रहा है। बाघ को किसी तरह की कोई बीमारी नहीं थी। उसे अचानक से गुरुवार शाम को उठने में तकलीफ होने लगी थी। इसके बाद रात में उसे टॉनिक भी दिया। लेकिन वह रिकवर नहीं कर पाया। बाद में उसकी डेथ हो गई।

आकाशीय बिजली गिरने से पांच बकरियों की मौत

सूरजगढ़, (निसं)। कस्बे के वार्ड नंबर छह रेलवे लाइन के नजदीक तेज गर्जन हवा व बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से पांच बकरियों की मौत हो गई, जिससे चरवाहा फूलचंद बावरिया का परिवार सकते में आ गया।

फूलचंद बावरिया ने बताया कि करीब चार बजे आकाशीय बिजली पेड़ पर गिरने से पेड़ के नीचे चर रही पांच बकरियों की मौत हो गई। फूलचंद बावरिया की पत्नी चंद्रकला दो मिनिट पहले ही बारिश से बचने के लिए पास बने मकान के पास खड़ी हुई थी कि आकाशीय बिजली पेड़ पर गिर गई। जिसके चलते महिला की जान बच गई। फूलचंद बावरिया ने बताया कि बकरियों के मरने से पूरा परिवार सदमे है। उनका

सूरजगढ़ में आकाशीय बिजली गिरने से 5 बकरियों की मौत हो गई।

पूरा परिवार बकरियों के पालन पर ही निर्भर है। बकरियों की मौत होने की वजह से जीवन निर्वाह करना मुश्किल हो जाएगा। चेयरमैन पुष्पा गुप्ता ने परिवार को पालिका सहित प्रशासनिक सहायता दिलवाने के लिए आश्वस्त किया।

क्रेशर पर काम करते करंट लगने से एक की मौत

मेहाड़ा क्षेत्र में जम्मू-कश्मीर से मजदूरी करने आया था युवक

खेतड़ी, (निस)। मेहाड़ा थाना क्षेत्र के मोड़ी गांव स्थित बालाजी क्रेशर पर करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले का रहने वाला था, जो कुछ दिन पहले ही मजदूरी करने के लिए यहां आया था।

एचसी शैतान सिंह ने बताया कि उधमपुर जिले के सतरेहड़ी निवासी नासिर (19) पुत्र अदरिश मेहाड़ा थाना क्षेत्र के मोड़ी गांव स्थित बालाजी क्रेशर पर एलएनटी ऑपरेटर का काम करता था। रात को बरसात का समय होने पर लाइट सप्लाई बंद होने पर वह बिजली सप्लाई ठीक कर रहा था। इस दौरान अचानक करंट लगने से वह नीचे गिर गया। इसी दौरान वहां मौजूद उसके साथियों ने उसे राजकीय अस्पताल में पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के चचेरे भाई अरशद अली ने बताया कि जम्मू-कश्मीर से करीब दस-बारह लोग काम करने के लिए खेतड़ी क्षेत्र में आए हुए थे तथा मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। मृतक

- क्रेशर पर लाइट ठीक करते समय हादसा हुआ

नासिर भी ढाई महीने पहले मजदूरी करने के लिए यहां आया था तथा करंट लगने से उसकी मौत हो गई।

मृतक का बड़ा भाई सुल्तान भी यहीं काम करता है तथा 15 दिन पहले ही वह गांव गया था। मृतक नासिर तीन भाई-बहनों में सबसे छोटा था तथा पिता अदरिश भी मजदूरी करते हैं। घटना की सूचना पर मेहाड़ा पुलिस खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल में पहुंची तथा घटना की जानकारी ली। इस दौरान पुलिस ने मृतक के चचेरे भाई व अन्य साथियों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया तथा मृतक के शव को उसके पैतृक गांव भेजा गया। एचसी शैतान सिंह ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है तथा परिजनों की ओर से दी जाने वाली रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मालपुरा में कांवड़ यात्रा व डिग्गी कल्याणजी के मेले को लेकर व्यवस्थायें जांची

आईजी, कलेक्टर व एसपी सहित चार एएसपी, आठ डीवाईएसपी, पुलिस की पांच कम्पनियां मालपुरा में तैनात रहेगी

मालपुरा, (निसं)। प्रदेश के प्रमुख तीर्थ स्थल डिग्गी में 11 से 15 अगस्त तक आयोजित 59वें लक्खी मेले व 12 अगस्त को चार साल बाद मालपुरा में निकलने वाली शिव कांवड़ यात्रा के सफल आयोजन के लिये शांति व कानून व्यवस्था को मध्य नजर रखते हुये सम्भागीय आयुक्त महेश शर्मा, अजमेर रैंज आईजी लता मनोज कुमार, जिला कलेक्टर सौम्या झां, टोंक एसपी संजीव नैन ने मालपुरा पहुंचकर कांवड़ यात्रा मार्ग व जलाभिषेक मंदिर स्थल का जायजा लिया।

शुक्रवार को जिला कलेक्टर व एसपी ने पंचायत समिति सभागार मे शांति समिति सहित कांवड़ व डिग्गी मैला आयोजन समिति एवं प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों का फिडबैक लिया। बैठक में निर्णय लिया कि आईजी, कलेक्टर व एसपी सहित चार एएसपी, आठ डीवाईएसपी, पुलिस जवानों की पांच कम्पनियां मालपुरा में तैनात रहेगी।

सम्भागीय आयुक्त, आईजी, कलेक्टर व एसपी ने मालपुरा पहुंच व्यवस्थाओं का लिया जायजा

मालपुरा में निकलने वाली शिव कांवड़ यात्रा के आयोजन के दौरान वर्ष 2018 में उपजे विवाद के बाद वर्ष 2024 में स्थानीय प्रशासन द्वारा दोनों ही समुदायों के धार्मिक जुलूस व यात्राओं के परम्परागत मार्गो को बदल नवीन मार्गो का निर्धारण करने के बाद से ही शहर में दोनों समुदायों के जुलूस व यात्राओं के आयोजन बंद हो गये थे। चार साल बाद इस बार शिव कांवड़ यात्रा समिति द्वारा 12 अगस्त को बिसलपुर से पवित्र जल की कांवड़ लाकर भगवान शिव का महाजलाभिषेक करने की घोषणा करने के साथ ही पुलिस व प्रशासन तैयारियों में जुट गया।

- जिला कलेक्टर व एसपी ने शांति समिति, प्रशासनिक अधिकारी सहित कांवड़ व मेला समिति की बैठक ली और दौरा किया

कांवड़ समिति की और से केबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, पूर्व सांसद व वर्तमान विधायक बाबा बालकनाथ, हवामहल विधायक बाल मुकन्दाचार्य, शक्तिपीठ की साध्वी समदर्शी गिरी व महंत रामशरण दास महाराज के कांवड़ यात्रा में शामिल होने की प्रचार सामग्री शहर में चस्पा होने के बाद मालपुरा पहुंचे पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों ने मालपुरा कार्यवाहक एसडीएम कपिल शर्मा, एएसपी रामकुमार कस्वा, डीएसपी महेन्द्र मीणा, तहसीलदार राहुल पारिक, थानाधिकारी चेनाराम बेडा के साथ कांवड़ यात्रा के मार्ग दूदू छाण स्टेट हाईवे व प्रशासन द्वारा तय किये गये नवीन मार्ग सहित नवीन मंडी स्थित केदारनाथ मंदिर का जायजा लेकर कावडियों के मंदिर में प्रवेश व जलाभिषेक के बाद निकासी सहित अन्य कानून व्यवस्थाओं को लेकर एसडीएम कक्ष मे बैठक आयोजित कर फिडबैक लिया।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

राजस्थान विधानसभा में किए गए नवाचारों की दी जानकारी

स्पीकर देवनानी की प्रधानमंत्री मोदी से इस शिष्टाचार मुलाकात की।

अजमेर, (कासं)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शुक्रवार को दिल्ली यात्रा पर रहे। देवनानी ने दिल्ली में संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की। देवनानी ने मोदी का उनके नेतृत्व में तीसरी बार बनी केंद्र सरकार के यशस्वी और स्वर्णिम कार्यकाल हेतु आत्मीय अभिनंदन किया। देवनानी ने भारत की जनता द्वारा प्रधानमंत्री मोदी पर किए गए भरोसे को ऐतिहासिक बताया।

देवनानी ने प्रधानमंत्री मोदी को पुष्प गुच्छ, भगवान झूलेलाल की तस्वीर, विभाजन विभिषिका पुस्तक की प्रति और चैत्र शुक्ल प्रतिपदा विक्रम संवत 2081 से आरंभ राजस्थान विधानसभा डायरी भेंट की।

स्पीकर देवनानी ने प्रधानमंत्री मोदी की पहल पर वर्ष 2021 से 14 अगस्त को विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस मनाए जाने की शुरुआत करने के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया।

- **देवनानी ने प्रधानमंत्री का उनके तीसरे स्वर्णिम कार्यकाल के लिए किया अभिनंदन**
- **देवनानी ने प्रधानमंत्री से सिंधी समाज के गौरवशाली इतिहास के बारे में भी चर्चा की**

देवनानी ने प्रधानमंत्री को बताया कि उनके परिवार ने भी विभाजन का दंश झेला था। देवनानी ने प्रधानमंत्री से सिंधी समाज के गौरवशाली इतिहास के बारे में भी चर्चा की।

देवनानी ने प्रधानमंत्री मोदी को 16वीं राजस्थान विधानसभा में किए गए नवाचारों की जानकारी दी। स्पीकर देवनानी ने प्रधानमंत्री मोदी को विधानसभा में किए गए नवाचारों का फोल्डर भी भेंट किया। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय नव वर्ष से प्रारंभ की गई राजस्थान विधानसभा की डायरी को देखा। प्रधानमंत्री ने देवनानी को इस प्रकाशन के लिए बधाई देते हुए कहा कि डायरी में प्रत्येक महीने के आरंभ में प्रकाशित महापुरुषों के चित्र गौरवान्वित करते हैं। प्रधानमंत्री ने विधानसभा की डायरी के प्रत्येक महीने के प्रथम पृष्ठ को देखा। प्रधानमंत्री ने विधानसभा में किए गए नवाचारो की सराहना की। देवनानी ने प्रधानमंत्री को बताया कि राजस्थान विधानसभा को गुजरात विधानसभा की तर्ज पर पेपरलेस बनाए जाने के लिए नेवा परियोजना का कार्य आरंभ कर दिया गया है। स्पीकर देवनानी की प्रधानमंत्री मोदी से इस शिष्टाचार मुलाकात में राजस्थान से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

विश्व आदिवासी दिवस बाल सदन में बनाया

अजमेर, (कासं)। राष्ट्रीय आदिवासी एकता मंच नई दिल्ली के तत्वावधान में अजमेर में शुक्रवार को बाल सदन में आवासरत अनाथ बालक बालिकाओं के साथ विश्व आदिवासी दिवस मनाया।

राष्ट्रीय आदिवासी एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट प्रकाशचंद मीणा व प्रदेश उपाध्यक्ष सागर मीणा द्वारा बच्चों प्रतिज्ञा दिलाई हम सब मिलकर विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर यह प्रतिज्ञा लेते है कि प्रकृति की धरोहर, जल, जंगल और जमीन की रक्षा ठीक उसी प्रकार से करेंगे जिस प्रकार से आदिवासी करते आये हैं। इसके पश्चात मंच की ओर सभी बालक-बालिकाओं को फल वितरण किया गया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय आदिवासी के प्रदेशाध्यक्ष प्रकाश मीणा, प्रदेश उपाध्यक्ष सागर मीणा, प्रदेश सचिव बत्तीलाल मीणा, धर्मेन्द्र भील, हरकेश मीणा, धर्मराज सावरिया, दयानन्द बाल सदन के प्रबन्धक राजेन्द्र आर्य व समस्त स्टाफ, विशाल मीणा, लोकेश मीणा, राष्ट्रीय आदिवासी मंच की महिला मोर्चा पदाधिकारी रजनी मीणा, सोमवती डामोर, सोनू मीणा, आदिवासी मंच के जिला पदाधिकारी भगतसिह, नरेश मीणा सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रही।

सार-समाचार

रावत ने सरोवर का जायजा लिया

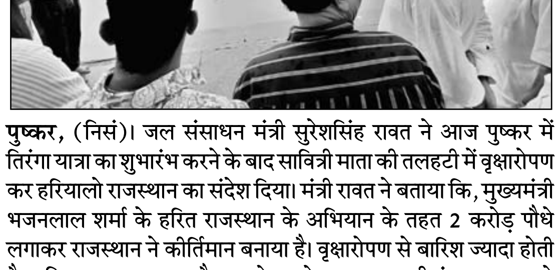

पुष्कर, (निसं)। जल संसाधन मंत्री सुरेशसिंह रावत ने आज पुष्कर में तिरंगा यात्रा का शुभारंभ करने के बाद सावित्री माता की तलहटी में वृक्षारोपण कर हरियालो राजस्थान का संदेश दिया। मंत्री रावत ने बताया कि, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के हरित राजस्थान के अभियान के तहत 2 करोड़ पौधे लगाकर राजस्थान ने कीर्तिमान बनाया है। वृक्षारोपण से बारिश ज्यादा होती है, भूमि का कटाव रुकता है। वृक्षारोपण से भारत माता की वंदना कर सकते है। वातावरण और प्रकृति का संरक्षण कर सकते है, इसलिये सभी को कम से कम 'एक पेड़ मां के नाम' लगाकर युगपुरुष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश को देश में हरित क्रांति के रूप में परिवर्तित करने में भागीदारी निभानी चाहिए। वृक्षारोपण के बाद मंत्री रावत ने सरोवर के जयपुर घाट पर आचमन कर घाटो का पानी की आवक के बाद जायजा लिया। इस दौरान पालिकाध्यक्ष कमल पाठक उपाध्यक्ष शिव स्वरूप महर्षि, भाजपा महामंत्री अरुण वैष्णव, पार्षद मुकेश कुमावत, धीरज जादम, जिला परिषद सदस्य महेंद्र सिंह, प्रधान जनप्रतिनिधि अर्जुन सिंह रावत, बूढ़ा पुष्कर मंडल अध्यक्ष गोवर्धन सिंह रावत, नरेंद्र चुंडावत, मोहन सिंह रावत, हरिशंकर चौहान, अशोक पाराशर, घनश्याम भाटी, मदन गुर्जर, जसवंत सिंह रावत, कमल रावत सहित अनेक पार्टी कार्यकर्ताओं मौजूद रहे।

तालाब में किशोर की डूबने से मौत

मसूदा, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के पाखरियावास ग्राम पंचायत के बाड़िया मे शुक्रवार को तालाब में डूबने से किशोर की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार पाखरियावास ग्राम पंचायत के पास स्थित बाड़िया के कुछ दोस्त तालाब में नहाने गए थे। इस दौरान 15 वर्षीय बालक बबलू भी तालाब में नहाने के लिए उतरा अचानक उसके गहरे पानी में चले जाने से वह तालाब में डूब गया। जिससे उसके दोस्तों में हड़कम्प मच गया। एवं घटना की ग्रामीणों एवं परिजनों को दी। तालाब के पूरे भरे होने से ग्रामीणों ने सदर पुलिस को सूचना दी। जिस परसिविल डिफेंस डीक्यूआरटी टीम ब्यावर कलेक्ट्रेट से रवाना हुई एवं ग्राम पंचायत पाखरियावास में तालाब पर पहुंची जहां किशोर के तालाब के बीच बने हुए कुएं में 15 साल के बबलू पुत्र शैतान के गिरने की जानकारी देने पर शव को बाहर निकाला गया और पुलिस और परिवार को सुपुत्र किया गया। डी क्यूँ आर टी टीम ब्यावर ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद किशोर का शव कुएं से बाहर निकाला। शव को सदर पुलिस ने ब्यावर अमृत कौर चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सक के किशोर को मृत घोषित करने पर शव को मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने मामला दर्ज किया। सिविल डिफेंस टीम में हाकम बक्श, तैराक महा सिंह ,बशीर काठात ,छोटू माली व अंतिमा भाटी,ताराचंद योगेश्वरी, याकुब बक्श, गौरव वैष्णव, उमेश कुमार सुमरवाल मौजूद रहे।

स्टेशन पर लिफ्ट लगाने का कार्य शुरू

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। रेलवे स्टेशन में यात्रियों की सुविधा के लिये चार एस्केलेटर व दो लिफ्ट लगाने का कार्य शुरू हुआ। करीब छ माह में यात्रियों को आवागमन में बड़ी राहत मिल सकेगी। भाजपा नेता महेंद्र पाटनी ने बताया के रेलवे के सीनियर डी ई एन महेश चंद मीणा द्वारा अक्षय इंफ्रा प्रोजेक्ट्स कंपनी को दोनों प्लेटफार्म पर आने जाने के लिये 4 एस्केलेटर सहित 2 लिफ्ट लगाने हेतु जारी करीब सवा दो करोड रुपये के इस कार्य को छः माह में पूरा करने के निर्देश दिये है। ठेकेदार कंपनी ने खुदाई के साथ फुट ऑवर ब्रिज के पास वाले जल सुविधा केंद्र, विद्युत पोल के अलावा रेल्वे उपकरण तथा प्लेटफार्म के टिन शेड हटाये जाने की कार्रवाई की। पाटनी के अनुसार रेलवे स्टेशन परिसर में एक लंबे भूमिगत मार्ग तथा 75 सीढ़ियों वाली डबल स्टेट हाईटेक फुट ओवर ब्रिज से रेल यात्रियों को एक दूसरे प्लेटफार्म पर आने-जाने के लिये भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आगामी छः माह में दो लिफ्ट व चार एस्केलेटर लगने से बड़ी सौगात मिल सकेगी।

वाहन रैली निकाली

आसींद, (निसं)। विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष में राणा पूंजा सर्कल आमली खेड़ा की झोपड़ियां, वार्ड नंबर एक आसींद से भील समाज के युवाओं द्वारा विशाल मोटरसाइकिल वाहन रैली निकाली गई। रैली में पार्षद कैलाश चंद्र भील, पूर्व पार्षद श्रवण लाल भील, सामाजिक युवा कार्यकर्ता बीपी राणा, रमेश लाल भील, गोपाल लाल भील, लादू लाल भील, प्रहलाद भील, संपत लाल भील आदि सैकड़ों युवा कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में विशाल मोटरसाइकिल वाहन रैली राणा पूंजा सर्कल आमली खेड़ा की झोपड़ियां से वीर एकलव्य सर्कल भीलों की झोपड़ियां, विद्युत ग्रिड रोड़, महाराणा प्रताप सर्कल पंचायत समिति से सदर बाजार, बड़ा मंदिर चौराहा, गांधी बाजार, गांधी चौक होते हुए आसींद बस स्टैंड पर डॉक्टर भीमराव अंबेडकर सर्कल पर एकत्रित होकर पहुंची। जहां से विशाल मोटरसाइकिल वाहन रैली भीलवाड़ा जिला मुख्यालय के लिए रवाना हुई।

भाजपा शहर मण्डल की बैठक आज

सरवाड़, (निसं)। भाजपा शहर मण्डल की बैठक भीमेश्वर महादेव मंदिर परिसर में शाम 4 बजे आयोजित होगी वहीं भाजपा मंडल अध्यक्ष प्यारेलाल खटीक ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार हर घर तिरंगा अभियान को लेकर भाजपा शहर मंडल की बैठक का आयोजन किया जाएगा इस बैठक में केकड़ी विधायक शत्रुघ्न गौतम व देहात जिला अध्यक्ष देवीशंकर भूतड़ा व जिला पदाधिकारी भाग लेंगे इस मौके पर भीमेश्वर मंदिर में प्रातः 11 बजे से शाम 4 बजे सहस्त्रधारा का आयोजन भी किया जाएगा।

श्रीमद् भागवत कथा का सातवां दिन

पुष्कर, (निसं)। मेला मैदान के सामने अंबेडकर भवन में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन मंत्री सुरेश रावत, पालिकाध्यक्ष कमल पाठक, उपाध्यक्ष शिवस्वरूप महर्षि, सहित जनप्रतिनिधियों ने कथा स्थल पहुंचकर कथा वाचक महंत संतराम दास महाराज का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर कथावाचक ने दुपट्टा ओढ़ाकर सभी का सम्मान किया।

नेशनल फ्यूचर पार्टी ने निगम की कार्रवाई पर जताई नाराजगी

अजमेर, (कासं)। नेशनल फ्यूचर पार्टी अध्यक्ष बजरंगलाल साहू की अध्यक्षता में शुक्रवार को पुरानी मंडी स्थित कार्यालय बैठक आयोजित हुई। बैठक में फव्वारा सर्किल स्थित केबिन संचालकों के साथ नगर निगम प्रशासन द्वारा की गई कार्यवाही पर नाराजगी जताते हुए दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

नेशनल फ्यूचर पार्टी के अध्यक्ष बजरंगलाल साहू ने बताया कि गुरुवार को नगर निगम प्रशासन ने बिना नोटिस दिए अचानक फव्वारा सर्किल पर संचालित केबिन संचालकों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए सामान जब्त कर लिया एवं केबिन हटाने की कोशिश की। जबकि न तो पहले कोई नोटिस दिया गया न ही अन्य कोई सूचना दी गई। नेशनल फ्यूचर पार्टी निगम की इस कार्रवाई का पुरजोर विरोध करती है। एक तरफ तो सरकार वेंडिंग जोन बनाकर ठेला संचालकों को रोजगार देने का प्रयास कर रही है, जबकि दूसरी ओर जमे जमाए केबिन संचालकों के व्यापार को तहस-नहस कर उन्हें सडक् पर लाने का कार्य कर रही है, जिससे उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा।

साहू ने कहा कि इन केबिनों से सामने लगभग 120 फीट का रोड है, साथ ही यहां किसी प्रकार का न तो ट्रेफिक जाम होता है न ही किसी प्रकार का पानी रुकता है। यहां केबिनों के होने से आसपास मन्दिरों में आने वाले लोग अपने आप को सुरक्षित महसूस करते हैं। उक्त तीनों केबिन संचालकों करीब 50 वर्ष से लगभग व्यापार कर रहे हैं।

25वीं विशाल कावड़ यात्रा आज

अजमेर, (कासं)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन मास के पवित्र मौके पर श्री कार्य सिद्ध बालाजी मंदिर राजमोहन गंगेश्वर आश्रम रामगंज की 25वीं विशाल कावड़ शनिवार को पुष्कर के लिए प्रस्थान करेगी। रविवार को मंदिर परिसर में सहस्त्रधारा का आयोजन होगा। महंत सचिव सागर मीणा में बताया 25वीं कावड़ यात्रा शनिवार 10 अगस्त को सायं 6:15 बजे पुष्कर के लिए प्रस्थान करेगी एवं 11 अगस्त रविवार को प्रातः 5:15 बजे पुष्कर गऊघाट से कार्य सिद्ध बालाजी मंदिर के लिए प्रस्थान करेगी। मीणा ने बताया कि श्री कार्य सिद्ध बालाजी मंदिर हर वर्ष कावड़ यात्रा का आयोजन करता है जिसके चलते इस वर्ष भी 10 अगस्त शनिवार को कावड़ यात्रा का आयोजन किया जाएगा। कावड़ यात्रा के लिए शिवभक्तों में उत्साह है।

पुतला जलाकर प्रदर्शन किया

अजमेर, (कासं)। धानका समाज अजमेर ने आज विधायक रूपेन्द्र सिंह कुन्नर का पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया और विधायक कुन्नर को धानका समाज से माफ़ी माँगने की माँग की।

पार्षद सुनील धानका ने बताया कि 19 जुलाई 2024 को विधायक रूपेन्द्र सिंह कुन्नर ने विधानसभा में धानका, धानक, धानूक, धानकिया को एक ही समाज बताया कहाँ की विसंगति से एक जाति धानका समाज अनुसूचित जनजाति और बाक़ी सब अनुसूचित जाति में दर्ज हो गई। जबकि भारत सरकार द्वारा राजस्थान के लिए जारी गज़ट नोटिफिकेशन अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति आदेश संशोधन 1976 एव हिन्दी संस्करण 1979 के अनुसार धानका जाति को अनुसूचित जनजाति में क्रम संख्या 4 पर तथा धानक, धानुक, धानकिया को

धानका समाज ने विधायक का पुतला जलाया।

अनुसूचित जाति में क्रम संख्या 20, 21 पर आधिसूचित किया है। इससे स्पष्ट है धानका जाति इन जातियो से अलग है, विधायक द्वारा विधानसभा में असंवैधानिक प्रश्न रखकर धानका समाज और सविधान के अनुच्छेद 341 वे 342 का अपमान किया गया है इसलिए विधायक रूपेन्द्र सिंह को धानका समाज से माफ़ी माँगनी चाहिए इस माँग को लेकर आज विरोध में उनका पुतला दहन किया गया। विरोध प्रदर्शन में धानका समाज संस्था के निम्न पदाधिकारी मोजुद रहे, ललित देरान , मानसिंह किराड़, महेंद्र, आनंद किराड़, अमृत लाल महावर, दिनेश खर्रा आदि समाज के गणमान्य लोग मोजूद रहे।

पृथ्वीराज चौहान मंडल की बैठक

ब्यावर, (निसं)। आगामी स्वतंत्रता दिवस पर हर घर तिरंगा अभियान सहित अन्य विषयों को लेकर भाजपा सम्राट पृथ्वीराज चौहान मंडल की बैठक शुक्रवार को कानाराम गुर्जर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। मंडल अध्यक्ष कानाराम गुर्जर ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर मंडल में 13 अगस्त से 15 अगस्त तक सभी बूथों, शक्ति केंद्रों, प्रत्येक घरों पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लगाकर आजादी का पर्व मनायेंगे। 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका दिवस भी मनाया जाएगा।महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष लीला रावत ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर हर घर अभियान के तहत प्रत्येक घरों पर तिंरगा लगवाना है और भव्य तिरंगा वाहन रैली आयोजित की जाएगी।बैठक का संचालन मंडल महामंत्री मुकेश जोधावत ने किया। हर घर तिरंगा अभियान के मंडल संयोजक रणजीत सिंह गोहाना व सहसंयोजक कपिल बोयत को सक्रिय रूप से आयोजन की तैयारी से जोड़ा।

राजपूत समाज ने मरुधरा पुनर्जन्म यात्रा का अभिनंदन किया

मकराना, (निसं)। श्री राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रताप सिंह कालवी के नेतृत्व में प्रदेश में मरुधरा पुनर्जन्म यात्रा शुरू की गई है जो कि त्रिनेत्र गणेश मंदिर सवाई माधोपुर से रवाना होकर शनिवार को मकराना पहुंची। मकराना पहुंचने पर राजपूत समाज के लोगों ने यात्रा में शामिल प्रतिनिधियों का अभिनंदन किया।

इस यात्रा के माध्यम से बताया जा रहा है कि प्रदेश के 15 जिलो के सौजन्य से लोकेंद्र सिंह कालवी की जयंती पर कालवी समाज रत्न सम्मान समारोह 27 अगस्त मंगलवार को प्रातः 11 बजे बिरला ऑडिटोरियम में मनाया जाएगा। इसमें सभी जिलो की राजपूत सरपंच और प्रधान शामिल होंगे।सम्मान समारोह में राजपूत समाज की उन प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने शिक्षा शिक्षा, चिकित्सा, खेती, समाज उत्थान, प्रशासनिक सेवा, रक्षा, खेल आदि के क्षेत्र में परिवार गांव और समाज का नाम रोशन किया है। इस दौरान प्रताप सिंह कालवी ने बताया कि हम प्रतिभाओ की मदद करने के लिए आगे बढ़ते रहें हैं, लेकिन उन समाज की प्रतिभाओं को भी ईमानदारी से आगे आना होगा। यात्रा के नागौर जिले में प्रवेश करने पर मकराना तहसील अध्यक्ष दौलत सिंह शेखावत के नेतृत्व में समाज के सरपंच व समाजसेवियों ने यात्रा में शामिल लोगों का स्वागत किया। बाद में सबलपुर ग्राम पंचायत में सरपंच प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह राठौड़ ने तलवार भेंट की। इन्द्र बाईसा खुडद मंदिर परिसर में पूर्व सरपंच भेरूदान रत्नू ने उनका साफा पहनाकर स्वागत किया। सभी को 27 अगस्त को लोकेंद्र सिंह जी कालवी की जयंती पर बिरला ऑडिटोरियम में शामिल होने के लिये पीले चावल भी बांटे।इस अवसर पर भेरुदान रत्नू, सुरेंद्र सिंह लोरोली, रामसिंह मनाना, जेठू सिंह खारडिया, बोदूसिंह आसरवा, सुरेंद्र सिंह सबलपुर, करनी सिंह शिवरासी, दिलीप सिंह रॉयल्टी, संपत सिंह कालवा, दातार सिंह आदि उपस्थित थे।

विवाहिता को घर से निकाला

मकराना, (निसं)। दहेज में कार व 6 लाख रुपए की मांग को लेकर विवाहिता को घर से निकालने का एक मामला पुलिस थाना में दर्ज करवाया गया है।

मनाना निवासी भाग्यश्री पत्नी राकेश मंडा व पुत्री हनुमान प्रसाद ने रिपोर्ट में बताया कि उसकी शादी कुड़सू नोखा बीकानेर निवासी राकेश मंडा पुत्र रामजस मंडा के साथ हुई थी। उसने बताया कि उसका पति सरकारी टीचर हैं। शादी के बाद ससुराल जाते ही पति राकेश सहित ससुर रामजस, देवर रामदयाल, ननद विमला, मीरा व सास ने मारपीट की और कहा कि दहेज में गाड़ी व 11 लाख रुपए देकर समाज में नाक कटवा दी। मायके जाओ तो कार व बाकी 6 लाख रुपए लेकर आना वरना परिणाम भुगतने को तैयार रहना। 8 अगस्त 2020 को पति के साथ ससुराल जाते समय रास्ते में पति ने कल्याणपुरा में गाड़ी रोक दी और कहा कि गहने नहीं पहने इसलिए उसे यही छोड़कर जा रहा है। गत 21 मई को उसका पति रात्रि में उसके मायके आया और मारपीट कर मांग दोहराई।

अनाधिकृत वैंडरो के विरुद्ध कार्यवाही

- **आर. पी. एफ. द्वारा रेल सीमा में अनाधिकृत प्रवेश, बेवजह चैन पुलिंग**

अजमेर, (कासं)। रेल सीमा मे अनाधिकृत प्रवेश से चोरी, लूटपाट व दुर्घटना की संभावना रहती है, बेवजह की चैन पुलिंग से ट्रेनों का समयबद्ध संचालन बाधित होता है। इसी प्रकार अनाधिकृत वेंडरों से रेल राजस्व को हानी पहुँचती है। इन सब की रोकथाम के लिए रेल सुरक्षा बल द्वारा विशेष अभियान चलाए जाते है इसी कड़ी मे जुलाई माह मे आर पी एफ द्वारा रेल सीमा में अनाधिकृत प्रवेश, बेवजह चैन पुलिंग व अनाधिकृत वैंडरो के विरुद्ध कार्यवाही की गई।

उत्तर पश्चिम रेलवे अजमेर मण्डल मे रेलवे सुरक्षा बल द्वारा दीपक कुमार आजाद मंडल सुरक्षा आयुक्त, अजमेर के निर्देशन में 01 जुलाई से 31 जुलाई 2024 तक रेल सीमा में अनाधिकृत रुप से व्यक्तियो एवं पशुओं के ट्रेनों से दुर्घटना के शिकार होने की घटनाओं की रोकथाम के लिये 119 कार्यवाही की गई। जिसके अंतर्गत रेल सीमा से लगते गांवों, पंचायतो व स्कुलों में 2266 व्यक्तियों को समझाईश की गई तथा अनाधिकृत रुप से रेल सीमा में प्रवेश करने वाले 201 व्यक्तियों के विरुद्ध रेलवे एक्ट की धारा 147 के तहत कार्यवाही कर मामले दर्ज किए गए जिसमें 139 व्यक्तियो पर रेलवे कोर्ट द्वारा कार्यवाही करते हुए 13900/ रुपये जुर्माना किया गया।

इसी प्रकार अजमेर मण्डल रेलवे सुरक्षा बल द्वारा सवारी गाडियों में एसीपी (चैन पुलिंग) की रोकथाम बाबत सवारी गाडियो में यात्रियों को जागरुक करने के लिये भी कार्यवाही की गई इस दौरान रेलवे सुरक्षा बल स्टाफ द्वारा लाउड हैलर एवं पी.ए सिस्टम का उपयोग किया गया व यात्रियों को एसीपी नही करने पम्पलेट बांटे गये व समझाईश की गई।

क्रांति दिवस पर वर्षगांठ के अवसर पर पुष्पाजंलि कार्यक्रम आयोजित

अजमेर, (कासं)। अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन (क्रांति दिवस)की वर्षगांठ के अवसर पर अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी की और से शहीद स्मारक, रेल्वे स्टेशन रोड़ पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष विजय जैन की अध्यक्षता व अजमेर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रहे अजमेर डेयरी के चेयरमेन रामचंद्र चौधरी के मुख्य आतिथ्य में पुष्पांजलि कार्यक्रम व विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों को संबोधित करते हुए रामचंद्र चौधरी व विजय जैन ने अगस्त क्रांति दिवस के इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि 1942 में मुंबई में महात्मा गाँधी ने अंग्रेजों भारत छोड़ो तथा करो या मरो का नारा दिया था इससे अंग्रेजों का शासन हिल गया था और 15 अगस्त 1947 को हमारे देश को आजादी मिल गयी थी, यह आंदोलन आज भी भारत की राष्ट्रीय पहचान बना हुआ है जिसने हमें लोकतंत्र, एकता और स्वतंत्रता के मूल्यों को बनाये रखने के लिए प्रेरित किया। इस आंदोलन ने समस्त भारतियों को एकता के सूत्र में पिरो दिया यह एक अहिंसक आंदोलन था जो कि अंग्रेजों के उपनिदेशवाद के खिलाफ था इस आंदोलन से अंग्रेजों में खौफ पैदा हो गया कि अब भारत पर शासन करना संभव नही है त आज का दिन भारतीय इतिहास में आजादी की अंतिम लड़ाई के शंखनाद के रूप में याद किया जाता है स्वाधीनता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले क्रांतिकारियों को हम सभी श्रद्धाञ्जली अर्पित करते है।

इस अवसर पर रामचन्द्र चौधरी व विजय जैन ने कहा कि डबल इंजन की सरकार बनने के बाद आम नागरिक अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहा है, महंगाई कम करने, बेरोजगारी समाप्त करने, पेयजल व बिजली संबधी समस्याओं का समाधान करने, भ्रष्टाचार समाप्त करने, जैसे अनेक लोक लुभावने वादे कर केंद्र व राज्य में सत्ता में आई भाजपा सरकार आज आम जनता की तकलीफों को भूल गयी है बजट में भी आमजन के हित में कोई निर्णय नही लिए गये हैं, स्मार्ट सिटी के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद पूरा शहर दयनीय स्थिति में बना हुआ है, बिजली के बाद अब पेयजल व्यवस्था भी निजी हाथों में सौंपी जा रही है जो आमजन के साथ कुठाराघात है । कांग्रेसजन शीघ्र ही भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ जन आंदोलन करेंगे।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी की और से पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस अवसर पर अजमेर दक्षिण से कांग्रेस प्रत्याशी रही द्रोपदी कोली, प्रदेश कांग्रेस सचिव सुनील लारा, शहर कांग्रेस महासचिव बिपिन बेसिल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शैलेंद्र अग्रवाल आदि पदाधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए क्रांति दिवस के इतिहास पर प्रकाश डाला और कहा कि अगस्त क्रांति ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को नया मोड दिया इसने भारतीयों में आत्मविश्वास भरा और उन्हे अपने अधिकारों के लिए लड़ने के लिए प्रेरित किया, आजादी के आंदोलन में अगस्त क्रांति के बाद महत्वपूर्ण मोड आया।

इस अवसर पर अमोलक सिंह छाबड़ा, नरेश सत्यावना, गुलाम मुस्तफा, विजय नागौरा, अशोक बिंदल, वाहिद मोहम्मद, जय शंकर चौधरी, निर्मल बैरवाल, पवन ओड, कैलाश कोमल, मीनाक्षी यादव, मोहित मल्होत्रा, अंकित धारू, डॉ लाल थदानी, शिवराज भडाना, ईश्वर टहलयानी, कमल बैरवा, गणेश चौहान, मुबारक चीता, लक्ष्मी बुंदेल, सुनील धानका, मनीष चौरसिया, चंदन सिंह, नीरज यादव, अशोक सुकरिया, लक्ष्मी धोलखेडिया, दिनेश के शर्मा, जितेंद्र चौधरी, मनीष सेन, लक्ष्मण भाया, विवेक कड़वा, शमसुद्दीन, सोना धनवानी, रवि दाधीच, करतम मीना, ओमप्रकाश मंडावरा व पुनीत सांखला सहित कांग्रेस कमेटी के जिला, ब्लॉक व मंडल पदाधिकारी, पार्षद, पूर्व पार्षद, अग्रिम संगठनों, प्रकोष्ठों व विभागों के पदाधिकारी आदि कांग्रेसजन मौजूद थे, प्रारम्भ में सभी ने शहीद स्मारक पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये तथा शहीदों के सम्मान में नारेबाजी कर उन्हे याद किया।

महिला से दुष्कर्म

अजमेर, (कासं)। रामगंज थाना क्षेत्र में रहने वाली एक विवाहिता से घर में घुसकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने अपने पति के दोस्त पर घर में अकेले होने का फायदा उठाकर दुष्कर्म करने और अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने रामगंज थाने में शिकायत दी है, पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रामगंज थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित विवाहिता ने थाने में लिखित शिकायत देते हुए पति के दोस्त पर आरोप लगाया।

तिरंगा रैली आज

आसीन्द, (निसं)। भारत सरकार एंव राज्य सरकार द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत तिरंगा सप्ताह मनाने हेतु ब्लॉक स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें।

नाम परिवर्तन

मेरा पहले नाम राजेन्द्र सैन पुत्र मोरीलाल सैन निवासी परासिया किशनगढ़ जिला अजमेर था, मैंने सभी आवश्यक दस्तावेजों में अपना नाम परिवर्तन कर राजेश सैन पुत्र मोरीलाल सैन करवा लिया है। भविष्य में मुझे राजेश सैन के नाम से जाना पहचाना जाये।

दिल्ली विश्वविद्यालय

UNIVERSITY OF DELHI

विज्ञापन नं. आर एण्ड पी/303/2024 दिनांक-27.06.2024

प्रिन्सिपल, यूनिवर्सिटी कॉलेज आफ मेडिकल साइन्सिस (यू सी एम एस) के पद के लिये योग्य प्रत्याशियों से निर्धारित आवेदन प्रपत्र में आन लाइन आवेदन आमंत्रित हैं। इस पद पर VII सीपीसी पे-मैट्रिक्स के अनुसार पे-लेवल 14 के स्केल देय है। आवेदन प्राप्त करने की अन्तिम तिथी इस विज्ञापन के एम्पलायमेंट न्यूज में प्रकाशन की तिथि से दो सप्ताह के अन्दर है। विवरण के लिये, कृपया यूनिवर्सिटी वेबसाइट www.du.ac.in पर जाये तथा शीर्षक "Work with DU" के अन्तर्गत "Jobs and Opportunities" पर क्लिक करें। कोई भी परिशिष्ट/संशोधन केवल यूनिवर्सिटी वेबसाइट पर पोस्ट किया जायेगा।

रजिस्ट्रार

महत्वपूर्ण सूचना-

योग्यता के संबंध में विवरण, इस विज्ञापन के साथ यूनिवर्सिटी वेबसाइट www.du.ac.in पर उपलब्ध है। आवेदक कृपया ''फार्म भरने से पहले इन विवरणों को पढे।

CBC 21231/12/0005/2425

अजमेर में बरसात से जर्जर तीन मंजिला भवन गिरा, बड़ा हादसा टला

निगम कर्मचारियों ने जेबीसी की सहायता से जर्जर भवन के गिरे मलबे को हटाया

अजमेर में बाटा तिराहे के पास गिरे जर्जर भवन मकान के मलबे को जेसीबी से हटावाया।

अजमेर, (कासं)। प्रदेश में सक्रिय मानसून के चलते अजमेर शहर सहित जिलेभर में पिछले पांच दिनों से लगातार रुक-रुककर हो रही कभी तेज तो कभी रिमझिम बरसात से जहां मौसम खुशनुमा है, वहीं पर्यटन स्थलों पर लोगों की भीड़ उमड़ रही है। वहीं शुक्रवार दोपहर 12 बजे हुई बरसात के चलते केसरगंज स्थित बाटा तिहारे के पास जर्जर तीन मंजिला भवन ढह गया। हादसे से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत यह रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। सूचना मिलते ही निगम प्रशासन ने जेसीबी की सहायता से मलबे को हटवाया।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार दोपहर 12 बजे के करीब हुई तेज बरसात के बीच केसरगंज बाटा तिराहा के पास बाजे वाली गली में एक तीन मंजिला जर्जर भवन भरभराकर गिर गया। भवन में व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन होता था। गनीमत यह रही कि जिस दौरान भवन गिरा उस वक्त वहां कोई मौजूद नहीं था। अचानक हुए हादसे से क्षेत्रवासियों में दहशत का माहौल हो गया। अचानक हुए हादसे के बाद आसपास रहने वाले लोग घरों से बाहर आ गए। मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। बारिश में अजमेर इलाके में कई पुरानी बिल्डिंग क्षतिग्रस्त हुई है, हालांकि इनमें कोई भी जनहानि नहीं हुई है। सूचना मिलते ही मौके पर क्लॉक टावर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। इधर नगर निगम अधिकारी भी जेसीबी मशीन और ट्रैक्टर लेकर पहुंचे। निगम कर्मचारियों ने जेबीसी की सहायता से जर्जर भवन के गिरे मलबे को हटाया। भवन मालिकों को नगर निगम ने नोटिस भी दिया।

अजमेर नगर निगम सीमा क्षेत्र में पुरानी मंडी, नया बाजार, नला बाजार, दरगाह बाजार, गुर्जर धरती, नगरा सहित अन्य क्षेत्रों में भी दर्जनों ऐसे पुराने मकान हैं जो जर्जर अवस्था में हैं, कभी हादसा कारित हो सकते हैं। मानसून के दौरान लोगों के लिए खतरा बने हुए हैं। नगर निगम प्रशासन भी भवन मालिकों को महज नोटिस देकर खानापूर्ति कर रहा है। शहर में पिछले पांच दिनों से आसमान में बादल छाए रहने और

- **भवन में व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन होता था, गनीमत यह रही कि जिस दौरान भवन गिरा उस समय वहां कोई मौजूद नहीं था**

रिमझिम बारिश से मौसम खुशगवार हो गया है, जिससे पर्यटक स्थलों पर अजमेर शहर ही नहीं बल्कि आसपास के जिलों से भी पर्यटक पुष्कर और अजमेर के अनासागर सहित अन्य पर्यटन स्थलों को देखने के लिए आ रहे हैं। जिला कलेक्टर डॉ.भारती दीक्षित ने शहरवासियों से अपील की है कि बारिश के मौसम में पुराने व जर्जन मकानों आदि से दूर रहे। यदि प्रशासन आपसे मकान को खाली करने की अपील करता है तो प्रशासन का सहयोग करते हुए मकान को खाली करें ताकि बारिश के दौरान कोई हादसा नहीं हो और जनहानि से बचा जा सके।

सिंधी समाज ने गोगड़ा पर्व मनाया

अजमेर, (कासं)। सिंधी समाज का गोगड़ा पर्व आज शुक्रवार को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। झूलेलाल मंदिर वैशाली नगर के अध्यक्ष प्रकाश जेठरा ने बताया कि गोगड़ा पर्व एक प्रकार से सिंधी समाज का नाग पंचमी का त्यौहार है।

वैशाली नगर में सिंधी समाज की महिलाएं बड़े ही धूमधाम से मनाती हैं, गोगड़ा पर्व के एक दिन पूर्व सिंधी समाज की महिलाओं द्वारा अनेक तरह की मीठी रोटियां, मीठे पकोड़े, नमकीन रोटियां, एवं अनेक तरह की सब्जियां एवं व्यंजन बनाए गए आज के दिन सिंधी समाज की महिलाओं ने शकर के आठ छोटे-छोटे नाग बनाकर उनकी पूजा करके घर व घर के बाहर कोने में रखे गए एवं महिलाएं नाग की पूजा कर ठंडे छीटे लगाकर परिवार की खुशहाली एवं परिवार के बच्चों की दीर्घायु बनी रहे एवं इन्हें बीमारी से बचाने की कामना की गई।

आज वैशाली नगर जनता कॉलोनी स्थित शीतला माता मंदिर में पीपल के पेड़ के पास महिलाओं द्वारा मन्नत का धागा बांधकर एवं गोगल वीर की कहानी सुना कर पूजा अर्चना की गई आज प्रातः सिंधी समाज की महिलाओं की पूजा अर्चना करने के लिए काफी भीड़ लगी रही। सिंधी समाज की महिला एवं परिवार वालों द्वारा पूरा दिन ठंडा भोजन ग्रहण किया गया।

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाने की अंतिम तिथि आज

- **ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन व आरसी रिन्यू के लिए लगी लंबी कतारें**

अजमेर, (कासं)। सरकार के परिवहन विभाग द्वारा वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाने की अंतिम शनिवार को समाप्त होने के चलते शुक्रवार को जयपुर रोड स्थित परिवहन विभाग कार्यालय में वाहनों के पंजीयन प्रमाण पत्र का नवीनीकरण कराने और ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने वालों की लंबी कतारे लग गई। विभाग में दिनभर ऐसे वाहनों मालिकों की आवाजाही लगी रही। विभाग के सूचना सहायकों के 9 से 11 अगस्त तक राजकीय अवकाश भी रद्द कर दिए गए है।

1 अप्रैल 2019 से पूर्व पंजीकृत पुराने वाहनों पर हाईसिक्योरिटी नंबर प्ले लगाई जा रही, 10 अगस्त शनिवार को अंतिम तिथि होने के चलते विभाग में लोगों की लंबी लाइन देखी जा सकती है। वाहनों का डाटा विभाग के पोर्टल पर अपलोड नहीं होने के चलते ईमित्र पर भी रजिस्ट्रेशन नहीं हो पा रहा है, जिससे परेशन वालन चालक आरसी व एचएसआरपी के लिए ऑनलाइन आवेदन नहीं कर पा रहे हैं। शुक्रवार से रविवार तक तीन दिन अवकाश है। इसलिए परिवहन विभाग में आरसी रिन्यू और ऑनलाइन कराने वालों की संख्या अपेक्षा से अधिक बढ़ी है।

अवकाश के दिन खुलेगा परिवहन कार्यालयः- आरटीओ सुमन भाटी ने आदेश जारी कर कहा कि गैर परिवहन वाहनों के पंजीयन बैकलॉग के आवेदन बहुत अधिक प्राप्त होने के चलते निस्तारण के लिए 9 से 11 अगस्त तक राजकीय अवकाश के दिन भी कार्यालय खोलकर आवेदनों का निस्तार किया जाएगा। कार्यालय सहायक प्रोग्रामर, एक सूचना सहायक तथा एक-एक वरिष्ठ सहायक व कनिष्ठ सहायक की ड्यूटी लगाई गई है।

नवीनीकरण शुल्क के साथ पेनल्टी भीः- आरटीओ भाटी ने बताया कि नॉन ट्रांसपोर्ट वाहन मालिकों ने जब आरसी रिन्यू के लिए आवेदन किया, तब उन्हें पता चला कि आरसी की अवधि पूरी हुए कई माह बीत चुके हैं। उन्हें नवीनीकरण शुल्क के साथ पेनल्टी भी चुकानी पड़ रही है। अजमेर में 1 जनवरी से 8 अगस्त तक एचएसआरपी के लिए 21 हजार 836 वाहन मालिकों ने आवेदन किया है।

पौधे लगाकर दिया हरियाली का संदेश

भीलवाड़ा, (निसं)। पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू ने अपना जन्मदिन आज अनोखे अंदाज में मुक बधिर विद्यालय में मूक बधिर व दृष्टिहीन छात्र-छात्राओं के साथ केक काटकर मनाया एवं हरियाली का संदेश देते हुए रुद्राक्ष का पौधा लगाया। मुकबधिर बच्चों द्वारा जाजू को जन्म दिवस पर हैंडमेड गिफ्ट कार्ड व बूके भेंट किए।

जाजू एवं उनकी पत्नी सुशीला जाजू व परिवार जनों द्वारा जन्म दिवस के अवसर पर मुक बधिर छात्रों को रिटर्न गिफ्ट के रूप में पौधे लगे गमले भेंट किये। जाजू के साथ परिवार सदस्य गौरव प्रशिता जाजू, आराध्य अबीर जाजू, प्रिया माहेश्वरी, भारती जैन, मूकबधिर विद्यालय सचिव बी.सी. लोगड़, प्रतिभा सिंह व ओमप्रकाश शर्मा मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि जाजू ने अपना पूर्व जन्मदिन पंचमुखी मुक्तिधाम में मनाकर वहां के कर्मचारियों को साईकिल भेंट की थी।

बाल विवाह रोकथाम हेतु किया जागरूक

- **एक दिवसीय जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया**

अजमेर, (कासं)। राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं प्राथमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के बीच बाल विवाह उन्मूलन विषय पर एक दिवसीय जन जागरूकता अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता, हस्ताक्षर अभियान, जागरूकता रैली, माय सेल्फी, शपथ व्याख्यान आदि गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों को बाल विवाह की हानियों के प्रति जागरूक किया गया।

यह कार्यक्रम बुबानिया, बाघसुरी, दिलवाड़ा, दिलवाड़ी, नन्दला, एवं अन्य पांच राजकीय विद्यालयों में आयोजित किया गया। प्रत्येक विद्यालय से 50 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें पोस्टर प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी को संस्थान द्वारा पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। इस दौरान सभी प्रतिभागियों को बाल विवाह जैसे संवेदनशील विषय पर जानकारी प्रदान की गई। छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया। संस्थान द्वारा इस तरह के जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है ताकि समाज से बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त किया जा सके। इस अभियान को विद्यालय परिवार द्वारा सराहा गया और संस्था के कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। इस कार्यक्रम के सफल संचालन में संस्था के कर्मियों का योगदान रहा।

प्रतिभावान सम्मान समारोह का आयोजन 11 को

भीलवाड़ा, (निसं)। राज. प्रदेश माली (सैनी) महासभा एवं माली सैनी समाज कर्मचारी अधिकारी विकास संस्था के संयुक्त तत्वावधान में भीलवाड़ा शहर स्थित नगर परिषद् के महाराणा प्रताप सभागार में 11 अगस्त को मेवाड़ संभाग स्तरीय प्रतिभावान सम्मान समारोह का आयोजन किया जायेगा।

राजस्थान प्रदेश माली (सैनी) महासभा के प्रदेश महामंत्री गोपाल लाल माली ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के केबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग) होंगे। समारोह की अध्यक्षता बांदीकुई विधायक भागचंद सैनी करेंगे। वहीं उदयपुरवाटी के विधायक भगवानाराम सैनी, राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ताराचंद गहलोत, महात्मा फूले राष्ट्रीय संस्थान के अध्यक्ष अनुभव चंदेल, मोतीलाल सांखला, माली सैनी समाज कर्मचारी अधिकारी विकास संस्था के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश सैनी सहित माली समाज से जुड़े कई राजनेता व जनप्रतिनिधि, अधिकारी व कर्मचारी बतौर अतिथि शिरकत करेंगे। 11 अगस्त को भीलवाड़ा स्थित टाउन हॉल (महाराणा प्रताप सभागार) में आयोजित होने वाले सम्मान समारोह में विभिन्न क्षेत्रों की 500 से भी अधिक प्रतिभाओं सहित कई भामाशाहों का भी सम्मान किया जायेगा। साथ ही विभिन्न विभागों में कार्यरत माली समाज के कर्मचारी, भामाशाह, जनप्रतिनिधियों का भी सम्मान किया जायेगा। बड़े स्तर पर होने वाले इस प्रतिभावान सम्मान समारोह की तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। माली ने कहा कि इस वर्ष 10वी व 12वीं बोर्ड की परीक्षाओं में 70 प्रतिशत से अधिक अंक वाले 10वीं के 100 व 12वीं कक्षा के 200 विद्यार्थियों सहित विभिन्न क्षेत्रों की 200 से अधिक प्रतिभाओं को प्रशस्ति-पत्र व मोमेंटों देकर सम्मानित किया जायेगा।

भागवत कथा में रुक्मणी विवाह का वर्णन

ब्यावर, (निसं)। स्वामी ब्रह्मानंद सत्संग मंडल में चल रही भागवत कथा के 6 दिन भाग में रुक्मणी विवाह का वर्णन किया गया। कथा वाचक स्वामी ज्योतिर्गयानंदजी महाराज विदर्भ राज्य ने आज की कथा मैं बताया की राजा भीष्मक के एक पुत्र और एक पुत्री थी। पुत्र का नाम रुक्मी और पुत्री का नाम रुक्मिणी था।

राजा भीष्मक अपनी पुत्री से बहुत प्रेम करते थे और उनके विवाह के लिए योग्य वर की तलाश में थे। इस विषय में राजा भीष्मक के सबसे करीबी मित्र एवं महाभारत कालीन मगध राज्य के नरेश जरासंध को भी पता था। जरासंध को उस वक्त का शक्तिशाली राजा माना जाता था और ऐसा भी कहा जाता था कि जरासंध का वध कोई नहीं कर सकता है। जरासंध देवी रुक्मिणी को अपनी पुत्री जैसा ही मानते थे और इसलिए वह खुद भी रुक्मिणी के लिए योग्य वर की तलाश में थे। मगर रुक्मिणी के मन में शुरू से ही भगवान श्रीकृष्ण की छवि बसी हुई थी।

दुकानों, प्रतिष्ठानों व घरों में तिरंगा झंडा वितरण किया

आजादी के पर्व पर हर घर, प्रतिष्ठान व भवन पर तिरंगा झंडा लगाने हेतु वितरण किया गया।

ब्यावर, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी महाराणा प्रताप मंडल अध्यक्ष नरेश मित्तल के नेतृत्व में एकता सर्कल से मेवाड़ी गेट तक बाजार में सभी दुकानों प्रतिष्ठानों व घरों में तिरंगा झंडा का वितरण किया गया। मंडल उपाध्यक्ष नटवर अरोड़ा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आ ान पर अजमेर देहात जिलाध्यक्ष देवीशंकर भूतड़ा के निर्देशानुसार आज मंडल क्षेत्र के मुख्य बाजार में हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा झंडा 15 अगस्त, आजादी के पर्व पर हर घर, प्रतिष्ठान व भवन पर तिरंगा झंडा लगाने हेतु वितरण किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के हर घर तिरंगा अभियान के व्यापक अभियान के चलते आमजन में इस अभियान को लेकर उत्साहित है।

मंडल उपाध्यक्ष बुद्धराज शर्मा ने यह भी बताया कि इस बार हर घर तिरंगा अभियान के तहत मंडल के सभी घरों, भवनों व प्रतिष्ठानों पर तिरंगा झंडा वितरण कर उसे लगवाने का लक्ष्य लिया गया है और आने वाले दिनों में पूरे सप्ताह मंडल के कार्यक्रम तय किए गए हैं जिसके तहत वाहन रैली, सर्किलों की सफाई, स्वच्छता अभियान इत्यादि कार्यक्रम होंगे।इस दौरान हर घर तिरंगा झंडा कार्यक्रम संयोजक अरिहंत काकरिया, मंडल उपाध्यक्ष बुद्धराज शर्मा, नटवर अरोड़ा, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष दीपक चौहान, विपिन गुजराती, मनीष बट, विजय मेहरा, राजेंद्र खंडेलवाल, दिलीप भंडारी, महेश चितलांगिया, रमेशचंद अग्रवाल, विजय तंवर, राम भारती, प्रिंस, देवेंद्र, अमरचंद, रामेश्वर गहलोत, मुन्नी देवी गहलोत, जितेंद्र सहित कार्यकर्ता तिरंगा झंडा कार्यक्रम में शामिल हुए।

नौकरानी पर गहने चोरी का शक

अजमेर, (कासं)। अजमेर के अलवरगेट थाना क्षेत्र में एक महिला ने घर में काम करने वाली नौकरानी पर गहने चोरी करने का शक जताते हुए पीडिता की भांजी ने मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अलवर गेट थाने के हैड कांस्टेबल भूपेंद्र सिंह ने जानकारी देते बताया कि श्रीनगर रोड निवासी सुनीता जगत्यानी ने थाने में घर में काम करने वाली नौकरानी के खिलाफ गहने चोरी की शिकायत देते हुए मुकदमा दर्ज करवाया है। रिपोर्ट में जगत्यानी ने बताया कि उसकी मौसी रतनी पुनवानी लगभग 2 साल से बीमार चल रही है और बिस्तर पर है। मौसी की सेवा के लिए घर पर दो नौकरानियां रखी थी। भांजी जगत्यानी ने आरोप लगाया कि अप्रेल से जुलाई के बीच एक नौकरानी ने लाखों रुपए कीमत के सोने के आभूषण चुरा लिए। इसकी जानकारी उन्हें पुरानी नौकरानी ने दी है। पीडिता ने बताया कि घर में काम करने वाली नौकरानी धर्मिष्ठा ड्यूटी के समय बीच-बीच में 2 घंटे गायब रहती थी। इस दौरान घर से उसकी मौसी के जेवरात चोरी हो गए। उन्हें शक है कि घर में काम करने वाली नौकरानी धर्मिष्ठा ने गहने चुराए हैं। पुलिस ने नौकरानी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच हेड कॉन्स्टेबल भूपेंद्र सिंह को सौंपी है।

बांग्लादेश घटनाक्रम को लेकर भीलवाड़ा के बाजार बंद रहे

भीलवाड़ा शहर में संतों के सानिध्य में बाजार बंद रखते हुए जुलूस निकालकर राष्ट्रपति के नाम एडीएम को ज्ञापन सौंपा

बांग्लादेश घटनाक्रम को लेकर भीलवाड़ा के बाजार बंद रहे और संतों ने रैली निकाली।

भीलवाड़ा, (निसं)। संत व सनातन धर्म समाज के बैनर तले हरिसेवा उदासीन आश्रम के महंत हंसराम और अन्य संतों-महात्माओं के सान्निध्य में बांग्लादेश घटनाक्रम को लेकर भीलवाड़ा के बाजार बंद रहे। वहीं संतों के सानिध्य में रैली निकालकर राष्ट्रपति के नाम एडीएम को ज्ञापन सौंपा गया।

महंत हंसराम ने बताया कि वर्तमान में बांग्लादेश में हिन्दू समाज पर घोर अत्याचार हो रहा है। हिन्दूओं के धार्मिक स्थलों, घरों, मकानों, ऑफिस, व्यापारिक संस्थानों, मॉल विविध स्थलों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, महिलाओं व बालिकाओं के साथ बलात्कार व अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है सैकड़ों हिन्दू अल्पसंख्यकों की हत्या की गई है। महामण्डलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन, महंत संतदास महाराज हाथीभाटा, महंत रामदास रामायणी हनुमंत धाम, महंत बलरामदास महाराज रपट के हनुमानजी, पुजारी मुरारी पाण्डे पंचमुखी हनुमान मंदिर का सान्निध्य में शहर के बाजार बंद रखते हुए जुलूस निकालकर राष्ट्रपति के नाम एडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल, दुर्गा वाहिनी, हिन्दू जागरण मंच, सिंधु सेवा समिति, भारतीय सिंधु सभा, सनातन सेवा समिति सहित विविध संगठनों के सदस्य पदाधिकारी व समाज के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बांग्लादेश के विभत्स कर देने वाले घटनाक्रम की सभी ने निन्दा की। बैठक में बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिन्दूओं, सिखों आदि के धार्मिक स्थलों व जान-माल की सुरक्षा पर चिन्तन किया गया।

पशु मेले की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित

भीलवाडा, (निसं)। जिले के अंतर्राष्ट्रीय तीर्थ स्थल सवाई भोज देवनारायण मंदिर परिसर में भादवी छठ के सवाई भोज पशु मेले की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित हुई।

अंतर्राष्ट्रीय तीर्थ स्थल सवाई भोज देवनारायण मंदिर परिसर में शुक्रवार भादवी छठ के उपलक्ष में आगामी तीन दिवसीय आयोजित मेले की तैयारी को लेकर श्री श्री 1008 महंत सुरेश दास महाराज के सानिध्य में एक बैठक आयोजित हुई। इस अवसर पर देवसेना जिला अध्यक्ष लादू लाल गुर्जर ने बताया कि तीन दिवसीय मेले को भव्य रूप देने एवं 10 सितंबर दोपहर पंचायत समिति देवनारायण मंदिर से रथ यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें सभी देव भक्त भाग लेंगे एवं रथ यात्रा पैदल निकलेगी रथ यात्रा मे देवसेना के पदाधिकारी एवं सभी सदस्य उपस्थित रहेंगे। इसके लिए अभी से सभी कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गई है।

इस मौके पर तहसील अध्यक्ष शंभू लाल गुर्जर, फौजमल गुर्जर, दिनेश गुर्जर, रामचंद्र पायलट, संपत लाल गुर्जर, नारायण लाल हदवा, हिंदू लाल गुर्जर केसरपुरा, भेरूलाल, उगमलाल, प्रभु लाल, ईश्वर लाल कालू लाल, रामलाल धर्मी चंद, सौदान, ईश्वर लाल, कांनाराम सहित कई लोग मौजूद थे।

सार-समाचार

विश्व आदिवासी दिवस मनाया

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। मीणा समाज सेवा संस्थान परासिया की और से समाज भवन में विश्व आदिवासी दिवस विभिन्न कार्यक्रम के साथ उल्लास से मनाया गया। समाजसेवी मदनलाल मीणा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के दौरान आदिवासी दिवस को लेकर जानकारी सांझा की गई। पार्षद रामसिंह मीणा, युवा समाजसेवी किशनलाल मीणा, कन्हैयालाल मीणा व हुकमीचंद मीणा ने अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर सीताराम मीणा, पिंटू मीणा, हरफूल मीणा, बृजेश मीणा, जयदेव मीणा, सुरेंद्र मीणा, मोहन मीणा, लोकेश मीणा, डॉ रोशन मीणा, मनीष मीणा, बालूराम मीणा, शंकर मीणा, प्रेमचंद मीणा, शंकरलाल मीणा, गोपाल मीणा, विजय मीणा, सीताराम मीणा सहित कई समाज बंधु मौजूद रहे। संचालन किशनलाल मीणा ने किया। बाद गौशाला में गौमाता को चारा खिलाकर पुनीत कार्य में भागीदारी सुनिश्चित की।

समय पर नहीं मिल रही नंबर प्लेट

अजमेर, (कासं)। जिला परिवहन अधिकारी और क्षेत्रिय परिवहन अधिकारी के कार्यालय व आनलाईन प्रदान किए जा रहे सिस्टम को विभाग समय पर पूर्ण नहीं कर पा रहा है। श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ के महासचिव रमेश लालवानी ने बताया कि राज होडा एक्टिवा गाडियों के लिए 25 जुलाई को प्रदान किए गया स्लॉट में नम्बर प्लेटे 3 अगसत को लगाये जाने का समय प्रदान किया गया और 9 अगस्त तक प्लेटे उपलब्ध नहीं करवाई जा रही है। इस प्रकार के अनेक अन्य उदाहरण भी है जो कि परिवहन विभाग अपनी एजेंसियों के माध्यम से काम समय पर पूरा नहीं करवा पा रहे है। महासंघ के अध्यक्ष महेन्द्र बंसल ने बताया कि परिवहन विभाग मीडिया के माध्मय से लोगों को डरा धमकार चालान बनाने के लिए धमका रहा है। महासंघ ने केन्द्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से मांग की है कि जन कल्याणकारी सरकार का काम लोगों को राहत प्रदान करना होता है। इसलिए लोगों को वाहनों को ऑनलाइप स्वतः विभाग द्वारा करवाने, वाहन चालक के निवास स्थान शहर में ही नम्बर प्लेट लगवाने के प्रबंध करने, आनलाईन प्रदान कि गए निर्धारित समय पर नम्बर प्लेटे लगाने, पुराना जुर्माना माफ करने तथा सभी व्यवस्थाओ को परिवहन विभाग की ओर से व्यवस्थित करवाने हेतु आगामी उचित समय प्रदान करते हुए हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेटो को लगवाने के लिए अन्तिम तिथि 31 दिसम्बर तक बढ़ाए जाने की मांग कालीचरणदास खण्डेलवाल, मितेश निचानी,हरीश अगनानी,हरीश वतवानी,राजेश गोयल,कन्हैया लाल बहरानी,विजय गोयल,अजय जैन,ओम प्रकाश छाजेड,किश पारीक, संजीव खण्डेलवाल, प्रदीप अग्रवाल सहित अन्य ने की है।

जमीनी विवाद को लेकर फायरिंग

सरवाड, (निसं)। सरवाड़ निकटवर्ती ग्राम सराना थाना क्षेत्र के टांटोटी में जमीन के विवाद को लेकर फायरिंग का मामला सामने आया है गोली लगने से एक बुजुर्ग घायल हो गया है जिसका अजमेर के जेएलएन अस्पताल में उपचार चल रहा है परिवार के लोगों ने कुख्यात धनसिंह पर फायरिंग करने का आरोप लगाया है यह घटना दोपहर करीब 1 बजे सराना थाना क्षेत्र के टांटोटी कस्बे की है बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के मध्य एक जमीन को लेकर विवाद चल रहा है वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली कि कुख्यात धन सिंह विजेंद्र सिंह व गोपाल सिंह ने टांटोटी निवासी रामपाल बागरिया पुत्र गोपाल बागरिया पर फायरिंग की है जिसमे रामपाल बागरिया के गोली लगी है इसके बाद परिजन उसे टांटोटी अस्पताल लेकर गए जहां से गंभीर हालत में अजमेर के लिए रेफर कर दिया गया है घटना की सूचना के बाद पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार बंसल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामचंद्र सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल शुरु की वहीं परिजनों ने बताया कि शुक्रवार को दोपहर में अपने जमीन पर नींव खुदाई का काम कर रहे थे इसी दौरान कुख्यात धन सिंह विजेंद्र सिंह गोपाल सिंह सहित सात आठ जने आए व उन पर फायरिंग कर दी फायरिंग से रामपाल बागरिया को गोली लगी है वहीं परिवारजनों ने छिपकर अपनी जान बचाई वहीं परिजनों के साथ भी मारपीट की सूचना मिलने पर सराना थाना पुलिस मौके पर पहुंची है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अधिवेशन का शुभारंभ

भीलवाड़ा, (निसं)। सहकार भारती के राजस्थान प्रदेश के अधिवेशन का शुक्रवार को अग्रसेन भवन में सप्तरंगी सहकार ध्वज के ध्वजारोहण के साथ शुभारंभ हुआ।राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनानाथ ठाकुर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बताया कि सहकार भारती पिछले 45 वर्षों से एक स्वयंसेवी संगठन के रूप में कार्यरत है संपूर्ण भारतवर्ष में लगभग 8 लाख सहकारी संस्थाएं कार्यरत है, सहकार भारती का विश्वास है कि भारत का समग्र आर्थिक विकास सहकारिता के माध्यम से ही संभव है तथा सहकारी क्षेत्र का विकास संगठन की शक्ति के माध्यम से किया जा सकता है इसी विचार को लेकर सहकार भारती कार्य कर रही है तथा इसी क्रम में राजस्थान में कार्यरत सहकारी संस्थाओं व कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय अधिवेशन आयोजित किया जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष मोहन परमार ने बताया कि भारत में सहकारिता के प्रचार प्रसार के लिए सहकार भारती की स्थापना 1979 में हुई। प्रत्येक 3 वर्ष में होने वाले इस प्रदेश अधिवेशन का आयोजन भीलवाड़ा में प्रथम बार हो रहा है साथ ही यह राजस्थान प्रदेश का चतुर्थ अधिवेशन है।

लोहागल तीर्थ के लिए रवाना

मकराना, (निसं)। शहर में सावन के महीने में शिव भक्तों ने कांवड़ लाने और पवित्र जल से भगवान शिव का जलाभिषेक करने का जबरदस्त क्रेज बना हुआ है। इसके चलते शुक्रवार सुबह शहर के मालियों की ढाणी स्थित बड़े शिव मंदिर से 25 जातरुओं का एक जत्था प्रसिद्ध तीर्थ स्थल लोहार्गल के लिए रवाना हुआ। वे आज शुक्रवार को लोहागल पहुंचेंगे और वहां सेकांवड़ में पवित्र जल लेकर पैदल ही मकराना के लिए वापस रवाना होंगे। इस पैदल जाते में राज कपूर पाराशर, कन्हैया लाल, महावीर सैनी, जीतू भाटी, दीपक भाटी, हरीश, मुकेश सैनी, गौतम पाराशर शर्मा, मुकेश बागड़ी, कृष्ण बागड़ी, पीयूष पारीक, मनीष सैनी, तेज राज, ईशांत, शशांक बाबू सहित अन्य शामिल है।शुक्रवार सुबह मंदिर में पुजारी बृज मोहन पाराशर, हेमराज चौहान, बाबूलाल तुंदवाल, हनुमान चौहान, गिरधारी भाटी, पुरण पाराशर, संजय चौहान आदि ने माला पहनाकर अभिनंदन किया और गाजे बाजे के साथ लोहागल तीर्थ स्थान के लिए रवाना किया।

वृक्षारोपण महा अभियान

ब्यावर, (निसं)। जवाजा पंचायत समिति की महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय जवाजा में सरपंच सुमन सोनी एवं पीईईओ राजेंद्र प्रजापति के नेतृत्व में विद्यालय परिसर में पौधारोपण महा अभियान के अंतर्गत अशोक,नीम,जामुन,करंज आदि फलदार और छायादार पौधे लगाए। पौधारोपण कार्यक्रम में प्रधानाचार्य ताराचंद जांगिड़, उपप्रधानाचार्य गुरु शरण गोयल , वार्ड पंच सुरेन्द्रसिंह,पर्यावरण प्रभारी किशन सिंह चौहान शारीरिक शिक्षक, राकेश कुमार, निलेश कुमार, प्रकाश जोशी एवं विद्यालय के बालक बालिकाओं ने अपनी सहभागिता निभाई।

प्रशासन का पीला पंजा चला

आसींद, (निसं)। भीलवाड़ा जिला कलेक्टर नमित मेहता के आदेश अनुसार जिलेभर में अवैध कोयले की भट्टियों को हटाने को लेकर चलाए जा रहे हैं अभियान के तहत आसींद उपखंड अधिकारी उम्मेद सिंह राजावत एवं तहसीलदार बीएल सेन के निर्देशन में टीम गठित कर ग्रामीणों से समझाइश के द्वाराआसींद क्षेत्र के गांगलास ग्राम पंचायत के अंतर्गत खारडा, एवं मोतीपुर जबरकिया , मोड का निंबाहेड़ा क्षेत्र में अवैध कोयले की भट्टियों को हटाया गया।वही तहसीलदार बीएल सेन ने बताया कि क्षेत्र में अवैध कोयले की भट्टियों को हटाने की कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

खेल जगत

नदीम और नीरज खिलाड़ी के तौर पर दोनों एक दूसरे का सम्मान कर रहे थे। इससे पता चलता है कि खेल किसी भी सीमा से परे है और खेल सभी को एकजुट करता है। इन दोनों ने बहुत अच्छा संदेश दिया है। उन्होंने कहा, ''यह भारत-पाकिस्तान जैसा है। - हरभजन सिंह

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, नदीम और नीरज की खेलभावना की प्रशंसा की।

आज का खिलाड़ी ▶ पीआर श्रीजेश

भारतीय हॉकी टीम की दीवार कहे जाने वाले गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य मेडल जीतने के बाद संन्यास ले लिया। हालांकि, अब भी वह टीम से जुड़े रहेंगे। शुक्रवार को हॉकी इंडिय ने दिग्गज खिलाड़ी को जूनियर पुरुष हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। वह अब युवा टीम को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करेंगे। साथ ही फैंस से श्रीजेश से संन्यास के बाद लगातार उनके वापसी की मांग कर रहे थे। इसको लेकर उन्होंने कहा कि ये विदा लेने का सही समय है।

क्या आप जानते हैं ?... द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान फीफा के इतालवी उपाध्यक्ष डॉ. ओटारियानो बैरासी ने विश्व कप ट्रॉफी को अपने पलंग के नीचे एक जूते के डिब्बे में छुपाए रखा।

प्रदर्शन से खुश नहीं हूं : नीरज

पेरिस, 9 अगस्त। भारतीय एथलीट नीरज चोपड़ा ने कहा है कि वह अपने प्रदर्शन से खुश नहीं है। नीरज ने पुरुषों के भाला फेंक फाइनल के बाद कहा, यह एक अच्छा थ्रो था लेकिन मैं आज अपने प्रदर्शन से उतना खुश नहीं हूं। मेरी तकनीक और रनवे उतना अच्छा नहीं था। केवल एक थ्रो (मैं कामयाब रहा) बाकी मैंने फाउल कर दिए। दूसरे थ्रो के लिए मुझे खुद पर विश्वास था कि मैं भी इतनी दूर तक थ्रो कर सकता हूं। लेकिन यह इतना अच्छा नहीं रहा। उन्होंने कहा पिछले दो या तीन साल मेरे लिए इतने अच्छे नहीं थे। मैं हमेशा चोटिल रहा हूं। मैंने वास्तव में कड़ी मेहनत की लेकिन मुझे अपनी चोट से दूर रहने और तकनीक पर काम करना होगा। उल्लेखनीय है कि भारत के भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपडा ने गुरुवार को 89.45 मीटर प्रयास के साथ पेरिस ओलंपिक 2024 में रजत पदक जीता। यह उनके करियर का अब तक का दूसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो था। चोपड़ा को पहली बार किसी सीनियर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में पाकिस्तान के अरशद नदीम ने पीछे कर दिया। अरशद ने 92.97 मीटर का बड़ा थ्रो फेंक करके खिताब जीता और ओलंपिक रिकॉर्ड तोड़ दिया।

पेरिस में अमन ने मचाया दंगल

भारत को कुश्ती में रेसलर अमन सहरावत ने कांस्य दिलाया, डेरियन क्रूज को 13-5 से हराया

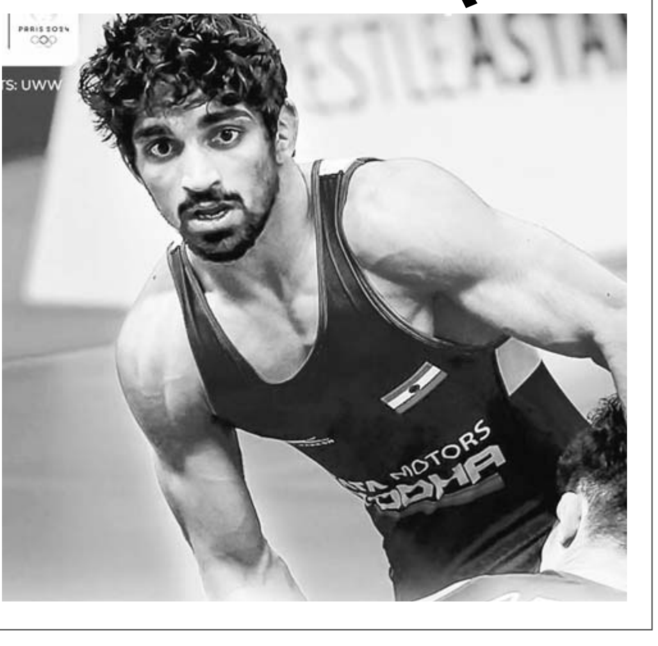

पेरिस, 9 अगस्त। भारतीय पहलवान अमन सहरावत ने शुक्रवार को पेरिस ओलंपिक में 57 किलोग्राम वर्ग में डेरियन क्रूज को 13-5 से हराकर भारत को छठा पदक दिलाया। पेरिस ओलंपिक में कुश्ती में भारत का यह पहला पदक है। इससे पहले अमन को सेमीफाइनल मुकाबले में जापान के पहलवान से हार का सामना करना पड़ा था।

अमन ने विश्व चैंपियन अल्बानिया के ज़ेलिमखान अबकारोव को तकनीकी श्रेष्ठता 12-0 के आधार पर हराकर पुरुषों की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की थी। तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर अमन की यह लगातार दूसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने उत्तरी मैसेडोनिया के यूरोपीय चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता व्लादिमीर इगोरोव को हराकर क्वार्टरफाइनल में पहुंचे थे।

आप खुद में सोना हो : मोदी

सिल्वर मेडल जीतने के बाद पीएम ने नीरज से की बात

पेरिस, 9 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारतीय भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा को चोट से जूझने के बावजूद अपना दूसरा ओलंपिक पदक जीतने करने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने नीरज के साथ फोन पर बातचीत के दौरान पाकिस्तान के अरशद नदीम के बारे में टिप्पणियों के लिए उनकी मां सरोज देवी की भी सराहना की। सरोज ने ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाले नदीम के लिए खुशी व्यक्त करते हुए उसे 'अपने बेटे जैसा' बताया था। पीएम मोदी ने कहा, ''आपकी माँ द्वारा दिया गया साक्षात्कार खेल परिवार की भावना को दर्शाता है। उन्होंने बहुत अच्छे अंदाज में कहा, 'वह (नदीम) भी मेरा बेटा है।' मोदी ने उनसे स्वर्ण पदक चूकने पर ध्यान नहीं देने की सलाह देते हुए कहा कि बहुत कम खिलाड़ियों को दो ओलंपिक पदक जीतने का गौरव प्राप्त होता है और आप तो खुद में ही सोना है। नीरज ने प्रधानमंत्री से कहा, '' चोट के कारण मैं स्वर्ण पदक के लिए जोर नहीं लगा सका लेकिन चोट और कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद रजत पदक जीतकर खुश हूं।''

मोदी ने कहा, ''आपने चोट के बावजूद यह उपलब्धि हासिल की है, जो अविश्वसनीय है। यह हमारी युवा पीढ़ी को प्रेरित करेगा। देश के लिए कुछ करने का यही जज्बा हमें प्रेरित करता है।'' मोदी ने नदीम के बारे में कहा, ''मुझे याद है पिछली बार आपने अपने प्रतिद्वंदी के प्रदर्शन की प्रशंसा की थी। आपने बताया था कि वह कड़ी प्रतिस्पर्धा देते हैं।'' उन्होंने कहा कि वह नीरज की चोट पर विस्तार से चर्चा करना चाहेंगे ताकि यह पता लगाया जा सके कि आगे चलकर इसे कैसे बेहतर तरीके से प्रबंधित किया जा सकता है।

सप्त शक्ति कमांड द्वारा हार्स शो का आयोजन कल से शुरू

जयपुर, 9 अगस्त। सप्त शक्ति कमांड के तत्वावधान में 11 अगस्त से 19 अगस्त 2024 तक जयपुर मिलिट्री स्टेशन के कैवलरी पोलो ग्राउंड में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में फेडरेशन इक्वेस्ट्रियन इंटरनेशनल और इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन ऑफ इंडियन के नियमों के तहत

ड्रेसेज, शो जंपिंग और टेंट पेगिंग सहित कई प्रतियोगिताएं होंगी। इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों और प्रतिष्ठित संस्थानों की टीमों सहित विभिन्न प्रकार की सिविल और सैन्य टीमों भी भाग लेगी, जो उभरते और अनुभवी दोनों तरह के घुड़सवारों को अपना कौशल दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। उल्लेखनीय भाग लेने वाली टीमों में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल, राजस्थान पुलिस बल, सागर घुड़सवारी स्कूल और मेयो कॉलेज, अजमेर शामिल हैं।

श्रीजेश और मनु होंगे पेरिस ओलिंपिक समापन समारोह में भारत के ध्वजवाहक

पेरिस, 9 अगस्त। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश और महिला निशानेबाज मनु भाकर पेरिस ओलंपिक में समापन समारोह के लिए भारत के ध्वजवाहक होंगे।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। आईओए की अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा ने कहा, श्रीजेश ने दो दशकों से अधिक समय तक विशेष रूप से भारतीय हॉकी और भारतीय खेल की सराहनीय सेवा की है। उन्होंने कहा, मैंने नीरज चोपड़ा से बात की और उस सहजता और शालीनता की सराहना की जिसके साथ वह इस बात पर सहमत हुए कि श्रीजेश को समापन समारोह में ध्वजवाहक होना चाहिए। श्रीजेश ठीष्मकालीन खेलों में पुरुष हॉकी कांस्य पदक

जीतने वाली भारतीय टीम के जबरदस्त प्रदर्शन करने वालों में से एक थे। यह उनका दूसरा ओलंपिक कांस्य है। 36 वर्षीय गोलकीपर ने गुरुवार को कांस्य पदक मुकाबले के बाद अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास ले लिया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले आईओए ने मनु भाकर को महिला ध्वजवाहक घोषित किया था। मनु ने पेरिस ओलंपिक में कई रिकॉर्ड तोड़े और दो कांस्य पदक जीते।

पंचाट न्यायालय में विनेश फोगाट का पक्ष रखेंगे हरीश साल्वे

नयी दिल्ली, 9 अगस्त। पंचाट न्यायालय (सीएएस) में भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट का संयुक्त रजत पदक दिये जाने का अनुरोध को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है और उनके मामले की पैरवी प्रसिद्ध वकील हरीश साल्वे करेंगे। सीएएस विज्ञिप्त के अनुसार भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने सात अगस्त को सीएएस एड हॉक डिवीजन में अपील दायर उन्हें पेरिस ओलंपिक में अयोग्य ठहराये जाने के निर्णय को रद्द करने और अंतिम मैच से पहले एक बार और वजन मापने का आदेश देने के साथ-साथ उन्हें फाइनल में भाग लेने के लिए योग्य घोषित किये जाने की मांग सीएएस एड हॉक डिवीजन से की गई थी। इसके साथ ही दूसरी अपील में विनेश ने उन्हें संयुक्त रजत दिये जाने की अनुरोध किया गया था। सीएएस ने दूसरी अपील को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। सीएएस के समक्ष विनेश के मामले की पैरवी के लिए भारतीय अधिकारियों ने वकील हरीश साल्वे को नियुक्त किया।

भारतीय महिला और पुरुष रिले टीम 4 गुणा 400 स्पर्धा के फाइनल में नहीं बना पायी जगह

पेरिस, 9 अगस्त। भारतीय महिला और पुरुष रिले टीमें शुक्रवार को पेरिस ओलंपिक में 4 गुणा 400 मीटर रिले दौड़ प्रतियोगिता के फाइनल में जगह नहीं बना सकी। आज यहां स्टेड-डी-फ्रांस में हुए पहले राउंड में भारतीय पुरुषों की 4 गुणा 400 मीटर रिले टीम 3:00.58 के सत्र के सर्वश्रेष्ठ समय के साथ हीट 2 में पांचवें और कुल मिलाकर 11वें स्थान पर रही। वे फाइनल में जगह नहीं बना सके। अमोज जैकब, राजेश रमेश, मुहम्मद अजमल और मुहम्मद अनस ने टीम के लिए दौड़ लगाई, जबकि संतोष कुमार तमिलरसन बाहर बैठे रहे। अजमल सबसे तेज भारतीय धावक रहे, जिनका समय 44.60 रहा। फ्रांस ने (2:59.53), नाइजीरिया ने (2:59.81) और बेल्जियम ने (2:59.84) ने भारतीयों को पछाड़ते हुए हीट 2 से फाइनल में जगह बनाई।

राजधानी

बाल भिक्षावृत्ति का मुद्दा उठाया राठौड़ ने

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने देश में बढ़ रहे बाल भिक्षावृति जैसे गंभीर मुद्दे को आज राज्यसभा में उठाते हुए ऐसे बच्चों के पुनर्वास की समुचित व्यवस्था करने की मांग की।

राठौड़ ने कहा कि आज देश के अधिकांश चौराहों पर संगठित गिरोह द्वारा छोटे बच्चों का अपहरण कर उनके अंगों को क्षतिग्रस्त कर भिक्षा मंगवाई जा रही है। इसे रोकने के लिये केंद्र सरकार को विशेष मुहिम चलानी चाहिये।

खाद्य सुरक्षा को लेकर एकलपीठ के दिए निर्देशों पर रोक

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एकलपीठ के उन विस्तृत निर्देशों पर रोक लगा दी है, जो एकलपीठ ने खाद्य पदार्थों के मिलावट के संबंध में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए सरकार को दिए थे। इसके साथ ही अदालत ने केंद्र और राज्य सरकार को मामले में जवाब पेश करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है।

अदालत ने एकलपीठ की ओर से उठाए मुद्दों पर विचार करने के लिए मामले की सुनवाई चार सप्ताह बाद सूचीबद्ध करने को कहा है। सीजे एमएम श्रीवास्तव और गणेश राम मीणा की खंडपीठ ने यह आदेश प्रकरण में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए। खंडपीठ ने कहा कि एकलपीठ ने मामले में विस्तृत आदेश पारित किए हैं और यह आदेश अंतरिम प्रकृति के ना होकर अंतिम प्रकृति के लग रहे हैं। ऐसे में इन आदेशों को आगे जारी नहीं रखा जा रहा है।

सुनवाई के दौरान केंद्र और राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि एकलपीठ ने मामले में प्रसंज्ञान लेते समय व्यापक निर्देश देते हुए प्रकरण को सुनवाई के लिए खंडपीठ में भेजा था। एकलपीठ के यह निर्देश अंतरिम प्रकृति के नहीं बल्कि अंतिम प्रकृति हैं। ऐसे में अब खंडपीठ के समक्ष इन निर्देशों को लागू कराने के अलावा कुछ भी करने के लिए शेष नहीं है। इस पर अदालत ने एकलपीठ की ओर से दिए निर्देशों पर रोक लगाते हुए केन्द्र और राज्य सरकार को अपना जवाब पेश करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है।

गौरतलब है कि जस्टिस अनूप ढंड की एकलपीठ ने गत 1 जुलाई को खाद्य पदार्थों में मिलावट से कैंसर सहित अन्य जानलेवा बीमारियां होने पर चिंता जताते हुए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लिया था। इसके साथ ही एकलपीठ ने राज्य सरकार को विस्तृत निर्देश दिए थे। एकलपीठ ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय और जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कमेटी गठन के आदेश देते हुए कई प्रभावी निर्देश दिए थे।

राजस्थान विवि. में छात्र से रैगिंग, मामला दर्ज

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय में एक छात्र से रैगिंग का मामला सामने आया है। पीडित छात्र ने गांधी नगर थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस के अनुसार धौलपुर निवासी हर्ष तिवारी ने मामला दर्ज करवाया कि वह बीए प्रथम वर्ष राजनीति विज्ञान का छात्र है।

केंद्रीय विश्वविद्यालय अजमेर के दोस्त राघवेंद्र को राजस्थान विश्वविद्यालय दिखा रहा था। वह अपने दोस्त के साथ स्कूटी लेकर जैसे ही विवेकानंद हॉस्टल की तरफ खुलने वाले गेट पर पहुंचा तो राहुल महला, महेश चौधरी, मोहित यादव और उनके साथी छात्र नेता स्कार्पियो कार लेकर आए। उन्हें कुचलने की स्टाइल में कार दौड़ा कर ले आए, फिर सामने लाकर अचानक तेज ब्रेक लगाए। इसके बाद आरोपितों ने उसके साथ रैगिंग शुरू कर दी है। आरोपितों ने उसके मोबाइल छीन लिए और अपशब्द कहे। घटना 7 अगस्त की शाम चार बजे की है। इस पर पीड़ित ने अगले दिन थाने पहुंच कर मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घटना के बाद राहुल महला ने भी हर्ष तिवाड़ी और उसके साथी पर मारपीट, गाली-गलौच करने, अपशब्द कहने सहित अन्य आरोप लगाकर मामला दर्ज करवाया है। राहुल महला ने दर्ज मामले में बताया कि हर्ष तिवाड़ी एबीवीवी का कार्यकर्ता है।

हाईकोर्ट ने छात्रसंघ चुनावों की जनहित याचिका की सुनवाई से इंकार किया

- **अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता ने छात्रसंघ चुनाव की फीस वापस लेने के लिए कर रखा है आवेदन, इसलिए जनहित याचिका के तौर पर नहीं कर सकते सुनवाई**

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय की ओर से छात्रसंघ चुनाव के नाम पर वसूली गई, फीस वापस किये जाने या फिर चुनाव कराने के संबंध में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई से इन्कार कर दिया है। राजस्थान के मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस गणेश राम मीणा की खंडपीठ ने यह आदेश शुभम रेवाड की जनहित याचिका पर दिए।

अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता ने स्वयं यह फीस वापस लेने के लिए आवेदन कर रखा है। ऐसे में मामले को जनहित याचिका के तौर पर नहीं सुना जा सकता। अदालत ने इसे जनहित याचिका के रूप में रद्द कर सामान्य याचिका के तौर पर संबंधित एकलपीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने को कहा है।

जनहित याचिका में कहा गया था कि राजस्थान विश्वविद्यालय की ओर से प्रत्येक छात्र से विभिन्न मदों में फीस वसूली जाती है। इनमें से एक मद छात्रसंघ चुनाव का भी है। प्रत्येक छात्र से 145 रुपए छात्रसंघ चुनाव और 110 रुपए मेंबरशिप फीस के नाम से लेते हुए कुल 255 रुपए वसूले गए हैं। यदि सभी छात्रों की बात की जाए तो करीब 63 लाख रुपए से अधिक की राशि इस मद में वसूली गई है। लेकिन छात्रसंघ चुनाव नहीं कराए जा रहे हैं। याचिका में गुहार की गई कि या तो विश्वविद्यालय प्रशासन को छात्रसंघ चुनाव कराने के निर्देश दिए जाएं या छात्रों से वसूली फीस वापस लौटाने को कहा जाए। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता ने स्वयं फीस लौटाने का आवेदन कर रखा है। इसलिए मामले को जनहित याचिका के तौर पर नहीं सुना जा सकता।

सरस दूध 2 रुपए प्रति लीटर महंगा हुआ

जयपुर। राजधानी जयपुर में सरस दूध 2 रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया है। जयपुर जिला दुग्ध उत्पादन सहकारी संघ (जयपुर डेयरी) की बढ़ी हुई कीमतें 11 अगस्त की शाम को होने वाली सप्लाई से लागू होगी। डेयरी प्रशासन ने दूध के सभी ब्रांड पर 2 रुपए प्रति लीटर का इजाफा किया है। इन बढ़ी हुई कीमतों का प्रभाव जयपुर और दौसा जिले के उपभोक्ताओं पर प्रभावी रहेगा, क्योंकि जयपुर डेयरी से दूध की सप्लाई इन दो ही जिलों में की जाती है। जयपुर डेयरी वर्तमान में इन दोनों जिलों में हर रोज 10.60 लाख लीटर से ज्यादा दूध की सप्लाई करती है।

डेयरी प्रशासन ने बूथ संचालकों का कमीशन भी 3 फीसदी बढ़ाया है। वर्तमान में उनको 1.50 रुपए प्रति लीटर कमीशन मिलता है, जो बढ़कर अब 1.56 रुपए प्रति लीटर कमीशन मिलेगा। पिछले महीने जयपुर डेयरी परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान चेयरमैन ओम प्रकाश पूनिया ने इस बात के संकेत दिए थे। जयपुर डेयरी ने कुछ समय पहले ही दुग्ध उत्पादकों से खरीदे जाने वाले दूध की कीमतों में बढ़ोतरी की थी, जो करीब 3.65 रुपए प्रति लीटर के हिसाब से हुई थी।

जयपुर डेयरी के एमडी मनीष फौजदार ने बताया कि वर्तमान में सरस टोंड (नीला) 50 रुपए लीटर, स्टैंडर्ड (हरा) 56 रुपए, गोल्ड 64 रुपए और डबल टोंड 42 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। 11 अगस्त को कीमतें बढ़ने के बाद सरस टोंड (नीला) 52 रुपए लीटर, स्टैंडर्ड (हरा) 58 रुपए, गोल्ड 66 रुपए और डबल टोंड 44 रुपए प्रति लीटर मिलने लगेगा। इससे पहले जयपुर डेयरी की ओर से जनवरी 2023 में दूध की कीमतों में इजाफा किया था।

हर घर तिरंगा अभियान की तैयारी बैठक

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर कार्यालय पर हर घर तिरंगा अभियान की तैयारीयों को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में हर घर तिरंगा अभियान के प्रदेश संयोजक पूर्व सांसद रामचरण बोहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर देशवासी बड़े जोश और उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस पर हर घर तिरंगा अभियान में पिछले दो वर्ष से भाग ले रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के 112 वें संस्करण में इस वर्ष भी पूरे देश में हर घर तिरंगा अभियान बनाने का आव्हान किया है। हमारे प्रधानमंत्री जिस अभियान की शुरुआत करते हैं, वह एक उत्सव का रूप ले लेता है। इस अभियान की रूपरेखा बताते हुए बोहरा ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत 11, 12, 13 अगस्त को प्रत्येक विधानसभा में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा जिसमें युवा मोर्चा की अग्रणी भूमिका रहेगी मंडल स्तर पर भी इस अभियान की तैयारी को लेकर बैठक का आयोजन किया जाना है। इस अभियान के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी स्वतंत्रता सेनानियों एवं युद्ध स्मारकों पर पुष्पांजलि एवं स्वच्छता का कार्यक्रम करेगी।

युवा कांग्रेस ने मनाया स्थापना दिवस

जयपुर, (का.प्र.)। भारतीय युवा कांग्रेस के 64वें स्थापना दिवस पर शुक्रवार को राजस्थान युवा कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष यशवीर शूरा ने ध्वजारोहण कर स्थापना दिवस मनाया। ध्वजारोहण के बाद पीसीसी में राष्ट्रिपता महात्मा गांधी के वचन की ''जहां स्वच्छता है ,वहा ईश्वर निवास करते है'' ध्येय हो आगे बढ़ाते हुए स्थानीय सफाई कर्मचारियो का सम्मान किया गया। साथ ही प्रकृति संरक्षण के लिए राष्ट्रव्यापी वृक्षारोपण अभियान ''एक पेड़ भारत के भविष्य के लिए'' मुहीम के तहत वृक्षारोपण किया गया।

खाद्य सुरक्षा कानून में पुलिस को कार्रवाई का अधिकार नहीं : कोर्ट

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम एक विशेष कानून है। इस कानून और सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार पुलिस को प्रकरण में कार्रवाई करने का प्रथम दृष्टया कोई अधिकार ही नहीं है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में मिलावट के आरोपी को अग्रिम जमानत का लाभ दिया है। जस्टिस शुभा मेहता की एकलपीठ ने यह आदेश साहब सिंह की अग्रिम जमानत याचिका पर दिए।

याचिका में कहा गया कि उसके खिलाफ धौलपुर की राजाखेड़ा थाना पुलिस ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम और आईपीसी की विभिन्न आधारों में एफआईआर दर्ज की थी। याचिका में कहा गया कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम एक विशेष कानून है।

राज्यपाल आज ट्रेन से बाड़मेर जाएंगे

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे 9 अगस्त को रात्रि 8.55 बजे मालाणी एक्सप्रेस ट्रेन से बाड़मेर के लिए प्रस्थान करेंगे। बागडे 10 अगस्त को बाड़डमेर में सीमा क्षेत्रों का दौरा करने के साथ ही सैनिक सम्मेलन में भाग लेंगे। राज्यपल बाड़मेर में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक भी लेंगे। राज्यपाल का 10 अगस्त रात्रि को ही बाड़मेर से ट्रेन से रवाना होकर 11 अगस्त को सुबह जयपुर आने का कार्यक्रम है।

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो : विश्व हिंदू परिषद्

जयपुर। आज एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए विश्व हिंदू परिषद् राजस्थान के क्षेत्रीय मंत्री सुरेश उपाध्याय ने कहा कि पड़ोसी बांग्लादेश हिंसा और अराजकता से ग्रसित है। निर्वाचित प्रधानमंत्री के त्यागपत्र देने और देश छोड़ने के बाद अराजक तत्व हावी हो गए हैं और कानून व्यवस्था सर्वथा निष्प्रभावी हो चुकी है। इस अराजक स्थिति में वहाँ के आतंकवादी जिहादी तत्वों ने हिंदू समाज का बड़े पैमाने पर उत्पीड़न शुरू कर दिया है।

सुरेश उपाध्याय ने कहा कि बांग्लादेश में पिछले कई दिनों से हिन्दू अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थानों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और घरों को नुकसान पहुंचाया गया है। पूरे बांग्लादेश में हर जिले में यह वीभत्स कुकृत्य होने की सूचना है। कट्टरपंथियों के निशाने से शमशान तक नहीं बचे हैं। मंदिरों को भारी क्षति पहुंचाई गयी है। बांग्लादेश में शायद ही कोई जिला बचा हो जो इनकी हिंसा व आतंक का निशाना न बना हो। समय समय पर निरंतर अंतराल पर होने वाले ऐसे दंगों का ही परिणाम है कि बांग्लादेश में हिंदू जो विभाजन के समय 32 थे, अब 8 से भी कम बचे हैं और वे भी लगातार जिहादी उत्पीड़न के शिकार हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं के घर, मकान, दुकान, ऑफिस, व्यवसायिक प्रतिष्ठान व महिलाएं, बच्चे व उनकी आस्था व विश्वास के केंद्र मन्दिर तक सुरक्षित नहीं हैं।

261 करोड़ के टैंडर में भ्रष्टाचार की शिकायत सरकार तक पहुंची

जयपुर। प्रदेश के हर जिले में मोबाइल मेडिकल वैन सर्विस को लेकर स्वास्थ्य विभाग की 261 करोड़ के टेंडर प्रक्रिया में भ्रष्टाचार की शिकायत आ रही है। 261 करोड़ के टेंडर में भ्रष्टाचार को लेकर सीएम भजनलाल शर्मा और एसीबी में शिकायत की गई है। एक व्हिसल ब्लोअर ने सीएम और एसीबी महानिदेशक को पत्र लिखकर मोबाइल मेडिकल वैन सर्विस के टेंडर में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए और कार्रवाई की मांग की।

शिकायत में बताया गया कि प्रदेश के हर जिले में मोबाइल मेडिकल वैन सर्विस उपलब्ध करवाने की टेंडर प्रक्रिया में एक कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए टेंडर की शर्तों में मनमाने बदलाव किए गए हैं। नेशनल हेल्थ मिशन के एमडी ने 9 मार्च को टेंडर निकाला। 23 जुलाई को एमडी एनएचएम ने एक कोरिजेंनडम निकालकर टेंडर की शर्तों में दर्जन भर बदलाव कर दिए। टेंडर की शर्तों में बदलाव प्री बिड बैठक से पांच दिन पहले किए गए। एक खास कंपनी को टेंडर देने के लिए टेलरमेड निविदा मंगवा ली गई, जबकि सब कुछ पहले तय हो चुका था। टेंडर की कई शर्तों में ऐसे बदलाव किए गए हैं, जिनसे जनता और सरकार दोनों को नुकसान है। व्हिसल ब्लोअर ने टेंडर की शर्तों में बदलाव की टाइमिंग पर सवाल उठा कर मामले में जांच की मांग की है। पहले मोबाइल मेडिकल वैन में मेडिकल इक्विपमेंट रखने की शर्त थी, जिसे डिलीट कर दिया गया। मोबाइल मेडिकल सर्विस देने वाली कंपनी को हर साल टेंडर प्राइस का 3 प्रतिशत अतिरिक्त पैसा देने का प्रावधान जोड़ा गया, पहले यह प्रावधान नहीं था।

टेंडर के लिए योग्यता पहले 100 मोबाइल मेडिकल वैन सर्विस संचालित करने के अनुभव की शर्त थी। इस शर्त को बाद में बदला गया। 100 से घटाकर 75 मोबाइल मेडिकल वैन के अनुभव की शर्त जोड़ दी। साथ ही दो राज्यों में काम करने का अनुभव भी अनिवार्य कर दिया। टेंडर में शामिल होने वाली कंपनी के लिए पहले शर्त थी कि उसका तीन साल का टर्नओवर कम से कम 85 करोड़ होना चाहिए था। इस शर्त में बदलाव करके इस अवधि को चार साल कर दिया गया।

पहले टेंडर में शर्त थी कि सर्विस प्रोवाइडर के पास सेंट्रलाइज्ड कॉल सेंटर और जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम हो। यह सेवा सेंट्रलाइज्ड कॉल सर्विस विद जीपीएस ट्रैकिंग से मैनेज करने की शर्त थी। बाद में इसमें संशोधन करके यह प्रावधान हटा दिया कि कॉल सेंटर की कोई आवश्यकता नहीं है। मोबाइल मेडिकल वैन सर्विस देने वाली कंपनी को कॉल सेंटर और जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम से अलग कर दिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजभवन में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से शिष्टाचार मुलाकात की। विधानसभा का सत्र समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री ने राज्यपाल से भेंट कर प्रदेश के कई मुद्दों पर उनके साथ चर्चा की। इसके बाद उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, मुख्य सूचना आयुक्त एम.एल. लाठर, सूचना आयुक्त सुरेश चंद्र गुप्ता, महेंद्र कुमार पारख और टीकाराम शर्मा ने भी राज्यपाल से मुलाकात की।

रूस पर यूक्रेन का भीषण हमला, 30 किलोमीटर अंदर तक घुसे

यूक्रेन की सेना ने रूस के 27 लड़ाकू ड्रोन्स मार गिराया है

- **रूस ने यूक्रेनी सैनिकों की बड़े पैमाने पर घुसपैठ को देखते हुए कुर्स्क क्षेत्र में आपातकाल की घोषणा की है।**
- **रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि यूक्रेन के दुस्साहसिक हमलों का जवाब देने के लिए कुर्स्क क्षेत्र में अतिरिक्त बलों को भेजा जा रहा है।**

नई दिल्ली, 9 अगस्त। रूस-यूक्रेन जंग भीषण मोड़ पर पहुंच गया है। यूक्रेन के करीब 1000 सैनिक धावा बोलते हुए अंतरराष्ट्रीय सीमा को पार कर रूस के कुर्स्क क्षेत्र में घुस गए हैं। इसके अलावा यूक्रेनी सेना ने रूस की ओर से छोड़े गये सभी 27 लड़ाकू ड्रोनों को मार गिराया है। यूक्रेनी वायु सेना ने शुक्रवार को ये जानकारी दी है। इस बीच रूस ने यूक्रेनी सैनिकों की बड़े पैमाने पर घुसपैठ को देखते हुए कुर्स्क क्षेत्र में आपातकाल की घोषणा की है।

चार दिन पहले सैकड़ों यूक्रेनी सैनिकों ने सीमा पार से हमला किया था, जो यूक्रेन-रूस युद्ध शुरू होने के बाद से रूसी धरती पर कीव का सबसे बड़ा हमला है।

इस बीच, रूसी अधिकारियों ने कहा कि रूसी विमान द्वारा दागी गई एक मिसाइल दिन में एक यूक्रेनी शॉपिंग मॉल पर गिरी है, जिसमें कम से कम 11 लोग मारे गए हैं और 44 अन्य घायल हुए हैं। यह मिसाइल यूक्रेन के पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र में कोस्टियनटिनिव्का के रिहायशी इलाके में स्थित एक मॉल पर गिरी थी। पिछले साल सितंबर में भी एक रूसी मिसाइल ने वहां एक बाहरी बाजार को निशाना बनाया था, जिसमें 17 लोग मारे गए थे।

उधर, रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि यूक्रेन के दुस्साहसिक हमलों का जवाब देने के लिए कुर्स्क क्षेत्र में अतिरिक्त बलों को भेजा जा रहा है। रक्षा मंत्रालय के हवाले से समाचार एजेंसी आरआईए-नोवोस्ती ने कहा कि कुर्स्क क्षेत्र में रूस कई रॉकेट लांचर, टो किए गए आर्टिलरी गन, ट्रेलरों पर ले जाए जाने वाले टैंक और भारी ट्रैक वाले वाहन तैनात कर रहा है।

कुर्स्क के कार्यवाहक गवर्नर एलेक्सी स्मिरनोव ने टेलीग्राम पर कहा, ''कुर्स्क क्षेत्र में हालात कठिन बने हुए हैं।'' रूसी रक्षा मंत्रालय ने सीमा से लगभग 10 किलोमीटर (6 मील) दूर सुदज़ा के पश्चिमी बाहरी इलाके में भीषण लड़ाई की पुष्टि की है। इस शहर में प्राकृतिक गैस की एक महत्वपूर्ण पाइपलाइन केंद्र है।

दूसरी तरफ, यूक्रेनी अधिकारियों ने इस घुसपैठ के बारे में टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है, जो मॉस्को से लगभग 500 किलोमीटर (320 मील) दक्षिण-पश्चिम में हुई है लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की के एक शीर्ष सलाहकार ने कहा है कि सीमा क्षेत्र पर हमले से रूस को यह एहसास होने लगा है कि युद्ध अब धीरे-धीरे रूसी क्षेत्र में घुसता जा रहा है। मायहेलो पोडोल्याक ने यह भी सुझाव दिया कि मॉस्को के साथ बातचीत की स्थिति में यह ऑपरेशन कीव की स्थिति को मजबूत बना रहा है।

बता दें कि रूस संघीय स्तर पर आपातकाल की घोषणा तब करता है जब 500 से अधिक लोग मारे जाते हैं या 500 मिलियन रूबल (लगभग 6 मिलियन) से अधिक का नुकसान होता है। कुर्स्क में छिड़ी लड़ाई ने रूसी मीडिया के साथ-साथ दुनियाभर की मीडिया का ध्यान खींचा है। रूस मीडिया में भी कुर्स्क की लड़ाई की खबरें छाई हुई हैं।

अब बैंक खाते में दर्ज करा सकेंगे चार नॉमिनी

- **केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार (09 अगस्त) को लोकसभा में बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024, पेश किया है, जिसके तहत चार नॉमिनी रखने की सुविधा दी गई है।**

नई दिल्ली, 9 अगस्त। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार (09 अगस्त) को लोकसभा में बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया है। इस विधेयक में ऐसा प्रावधान किया गया है कि हरेक बैंक खाताधारक एक खाते के लिए चार 'नॉमिनी' तक दर्ज करा सकेगा। अभी तक एक बैंक खाते में एक ही नॉमिनी का उल्लेख करने का नियम है।

अगर यह बिल संसद से पारित होता है तो अब नॉमिनी को बढ़ाकर चार तक किया जा सकता है। हालांकि, यह वैकल्पिक प्रावधान होगा। प्रस्तावित विधेयक में एक और बड़े बदलाव की बात कही गई है।

'शेख हसीना को बांग्लादेश को सौंप दे भारत'

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया ने भारत को चेतावनी दी कि शेख हसीना की वजह से भारत और बांग्लादेश के आपसी रिश्ते खराब हो जायेंगे

ढाका, 9 अगस्त। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेताओं ने शुक्रवार को कहा कि भारत-बांग्लादेश द्विपक्षीय संबंध केवल अवामी लीग पर निर्भर नहीं हैं। उन्होंने भारत को चेताते हुए कहा कि हसीना को शरण देने से बांग्लादेश के लोग नाराज हैं। उन्होंने कहा कि भारत द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को शरण दिए जाने पर बांग्लादेश में 'प्रतिकूल प्रतिक्रियाएं आना स्वाभाविक' है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री खांडकर मुशर्रफ हुसैन ने बांग्लादेश के लिए भारत को 'बहुत महत्वपूर्ण' करार देते हुए कहा कि 'यह द्विपक्षीय संबंधों में एक नया अध्याय शुरू करने का सही समय है'।

हुसैन ने बांग्लादेश में अंतरिम सरकार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बधाई संदेश का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि भारत सरकार अब अवामी लीग और शेख हसीना को समर्थन देना जारी नहीं रखेगी, जिन्हें बड़े पैमाने पर प्रदर्शनों के बाद देश से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा है। बीएनपी के उपाध्यक्ष अब्दुल अवल मिंटू ने भी ऐसी ही राय जताते हुए कहा कि बेहतर होता कि हसीना भारत नहीं भागतीं। उन्होंने कहा, "बेहतर होता कि वह भारत नहीं भागतीं, क्योंकि हम भारत के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं। बांग्लादेश और इसके लोग भारत को दोस्त की तरह मानते और देखते हैं।"

उन्होंने हालांकि रेखांकित किया कि अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक भारत का अधिकार है कि वह जिसे चाहे उसे शरण दे सकता है। हुसैन ने कहा, "शेख हसीना के भारत में शरण लेने का असर बिल्कुल स्वाभाविक है। उदाहरण के लिए, यदि मैं आपको पसंद नहीं करता हूं और कोई अन्य व्यक्ति आपका समर्थन कर रहा है तो स्वाभाविक रूप से मुझे वह व्यक्ति पसंद नहीं आएगा। प्रतिकूल प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है। लेकिन तथ्य यह है कि भारत-बांग्लादेश के बीच हमेशा अच्छे संबंध रहे हैं, भले ही अवामी लीग सत्ता में हो या शेख हसीना।"

उन्होंने कहा, "जब बीएनपी सत्ता में थी, मैं बांग्लादेश सरकार में मंत्री था। हमने देखा कि दोनों देशों के बीच शानदार संबंध रहे। भारत, बांग्लादेश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत ने हमेशा बांग्लादेश के लोगों का समर्थन किया है। दोनों देशों के बीच अच्छे द्विपक्षीय संबंध बने रहेंगे।" सतहत्तर वर्षीय नेता ने कहा कि बांग्लादेश के लोग उम्मीद करते हैं कि भारत सरकार अवामी लीग जैसे भ्रष्ट और तानाशाहीपूर्ण शासन का हमेशा समर्थन नहीं करेगी।

शादी का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्योंकि नाबालिग की सहमति कानून में कोई महत्व नहीं रखती है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने अदालत को बताया कि पीड़िता ने 7 फरवरी, 2023 को सुभाष चौक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि अभियुक्त 26 अक्टूबर, 2022 को उसे बहला-फुसलाकर अपने गांव ले गया। जहां उसने उसके साथ 21 दिनों तक कई बार संबंध बनाए। इस दौरान उसकी बेंगलुरु स्थित कंपनी में नौकरी लग गई, तब अभियुक्त उसे अपने परिजनों के पास गांव छोड़कर अकेला बेंगलुरु चला गया।

जब पीड़िता ने उससे शादी करने का दबाव डाला तो अभियुक्त ने इन्कार कर दिया। दूसरी ओर अभियुक्त के परिजन भी उसे प्रताड़ित करते थे।

इसलिए पीड़िता वापस आ गई। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को 09 मार्च, 2023 को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

शेख हसीना, वापस बांग्लादेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस बार यदि शेख हसीना बांग्लादेश लौटती हैं तो उन्हें बांग्लादेश की सेना के आतंकी संगठनों से मिले समूहों से स्वयं की रक्षा के लिए बाहर के देशों, संभवतः भारत से सुरक्षा ब्यौरा लेना होगा।

हालांकि, शेख हसीना की भारत में मौजूदगी के चलते बांग्लादेश की नई सरकार भारत के साथ तुरन्त कोई बातचीत करने से परहेज करेगी। इसके अलावा सेना भी शेख हसीना को पसन्द करती नहीं लगती है। हसीना की भारत में मौजूदगी के दौरान मोहम्मद युनुस की वर्तमान सरकार भारत से बातचीत शुरू नहीं करेगी। भारत की स्थिति दुविधापूर्ण है। भारत हसीना को तुरन्त प्रभाव से नहीं त्याग सकता क्योंकि वह अपने पूरे कार्यकाल के दौरान भारत की मिल रही हैं। खासतौर पर, प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनके संबंध अच्छे रहे, अतः मुश्किल की इस घड़ी में उनका साथ छोड़ना बेहद असावधानीपूर्ण होगा। ऐसा होने पर भारत को एक भरोसे का मित्र नहीं माना जाएगा और चुनौतियों के आगे कूटनीतिक रूप से कमजोर भी माना जाएगा। आखिरकार, यह विश्वास करने के स्पष्ट कारण है कि वह तख्तापलट बांग्लादेश के भीतर मौजूद चरमपंथी संगठनों ने पाकिस्तान के सम्पर्कों की मदद से किया है। इन चरमपंथियों ने हिंसा फैलाई और पुलिसकर्मियों तथा आमजन पर तालिबान जैसे हमले बोले। इन्होंने अल्पसंख्यक हिन्दू समुदाय और उसकी सम्पत्तियों पर लगातार निशाना साधा। ऐसा लगता है कि अपदस्थ नेता और उनकी पार्टी एक आगे बढ़ते देश का बैस्ट इंश्योरेंस थी, क्योंकि वह अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकार व स्वतंत्रता को को सुनिश्चित करना चाहती थीं। अवामी लीग बांग्लादेश की एक सुस्थापित राजनीतिक पार्टी है तथा उसका आधारभूत संगठन हसीना के तख्तापलट के बाद तुरन्त प्रभाव से कमज़ोर नहीं पड़ा है। अब यह समय पर है कि ये स्लीपर सैल्स समर्थन का थोड़ा सा संकेत मिलते ही पुनः वही हरकत करने लगेंगे? लगता है कि इसकी प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है।

'बेल मिलना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहले से ही जांच एजेंसियों के पास है।

कोर्ट ने यद्यपि सिसोदिया पर कुछ शर्ते लगाई है जैसे पासपोर्ट सरैंडर करना और हर सोमवार को जांच अधिकारी के पास हाजिरी लगाना। कोर्ट ने सिसोदिया को चेतावनी दी अगर उन्होंने सबूतों से छेड़छाड़ की तो उन्हें फिर से जेल भेजा जा सकता है।

क्या इंदिरा जी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इंदिरा गांधी ने 'मुक्ति वाहिनी' के लड़ाकों को भारत में ट्रेनिंग तथा उन्हें हथियार देकर, बाँग्लादेश के स्वतन्त्रता सेनानियों को बहुत बड़ी ताकत और ऊर्जा दी।

उन्होंने शेख मुजीबुर्रहमान की अन्तरिम सरकार को अपना कार्यालय कोलकाता में स्थापित करने की अनुमति दी तथा एक राष्ट्र के रूप में बाँग्लादेश के उदय पर वैश्विक नेताओं का समर्थन एकत्रित करने की भी व्यवस्था की।

लेकिन, इस पूरे प्रकरण में इंदिरा गांधी की भूमिका एक बार फिर जबरदस्त बहस का मुद्दा बन गई है। 'एक्स' यूज़र मोहित शर्मा ने कहा, "इंदिरा गांधी ने बहुत बड़ी गलती की थी, क्योंकि उन्होंने सैनिक, युद्ध के साज-सामान, अर्थव्यवस्था सबका नुकसान किया, लेकिन उन्होंने बदले में उन्हें कुछ भी नहीं मिला। उन्होंने लाखों अवैध शरणार्थियों को आने दिया, लेकिन उस विजय में भारत के हिस्से को लेकर कोई मोल-तोल नहीं किया।"

विपक्ष ने राज्यसभा के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

धनखड़ के काम करने का सामान्य तौर तरीका है, उन्होंने जया बच्चन को बोलने की अनुमति नहीं दी।

विपक्ष सोनिया गांधी के नेतृत्व में वाक आउट कर गया तथा चार बार सांसद रह चुकी जया बच्चन के पक्ष में एक जुट हो गया। ज्ञातव्य है कि वे एक वरिष्ठ अभिनेत्री भी हैं।

इसके साथ ही कांग्रेस ने राजस्थान के वरिष्ठ भाजपा सांसद घनश्याम तिवाड़ी के व्यवहार को लेकर भी आपत्ति उठाई क्योंकि तिवाड़ी ने खड़गे पर कटाक्ष किया था। लेकिन तिवाड़ी ने व्यक्तिगत स्तर पर खड़गे से कहा कि वे (तिवाड़ी) माफी माँगने को तैयार हैं। लेकिन जब कांग्रेस ने कहा कि यह मुद्दे का स्पष्टीकरण तो सदन के पटल पर ही लिया जायेगा, तो सभापति ने एक बार फिर, इसमें भी आपत्ति दर्शाई।

जगदीप धनखड़ अपने आसन से आर.एस.एस. का गुणगान करते आ रहे हैं तथा वे अपने भाषण में भी कहते रहते हैं कि राष्ट्रनिर्माण में आर.एस.एस. की महती भूमिका रही है तथा मूलभूत बात यह है कि वे विपक्षी सांसदों को बोलने की अनुमति नहीं दे रहे।

अब उग्रता एवं क्रोध अपने चरम पर पहुँच चुके हैं तथा विपक्ष अब धनखड़ को बर्दाश्त करने की मनः स्थिति में नहीं है।

दुख की बात यह है कि मोदी सरकार इस पूरे खेल का मजा ले रही है तथा वह सभापति को यह कहने के मूड में ही दिखाई नहीं दे रही कि उन्हें कहाँ रूक जाना चाहिए।

वरिष्ठ मंत्री नड्डा ने विपक्ष के खिलाफ एक निन्दा प्रस्ताव पेश किया है, जो इस तथ्य का सूचक है कि प्रधानमंत्री तथा उनके वरिष्ठ मंत्रीगणों का सभापति को रोकने का कोई इरादा नहीं है, जो कि देश के उपराष्ट्रपति भी हैं।

कांग्रेस ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राज्य सभा के सभापति की कार्यवाहियाँ लोकतंत्र की हत्या के समकक्ष हैं तथा वह उन्हें बर्दाश्त नहीं करेगी।

'क्या आप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुमति दे दी जाएगी, उम्मीद है कि आदेश का दुरुपयोग नहीं होगा।"

कोर्ट ने पूछा कि क्या आप लड़कियों के तिलक या बिंदी लगाने पर भी रोक लगाएंगे। कोर्ट ने कहा कि महिलाओं को क्या पहनना है क्या नहीं, यह हिदायत देकर आप उनका सशक्तिकरण करेंगे। महिलाओं को पसंद कहा है। अचानक आपको पता लगा है कि वे क्या पहन रही हैं। इन लड़कियों ने बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा याचिका खारिज होने के बाद सुप्रीम कोर्ट का रूख किया था।

अमन सहरावत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आज यहां हुये मुकाबले में अमन ने पहले दौर में शानदार दांवपेच लगाते हुए करीबी मुकाबले के बाद 6-4 की बढ़त बनाई। इसके बाद दूसरे दौर में भारतीय पहलवान ने क्रूज को सात अंकों से हराकर मैट पर अपना दबदबा बनाए रखा।

इससे पहले अमन को सेमीफाइनल मुकाबले में जापान के पहलवान से हार का सामना करना पड़ा था। अमन ने विश्व चैंपियन अल्बानिया के जेलिमखान अबकारोव को तकनीकी श्रेष्ठता 12-0 के आधार पर हराकर पुरुषों की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की थी। तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर अमन की यह लगातार दूसरी जीत थी। उत्तरी मैसेडोनिया के यूरोपीय चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता व्लादिमीर इगोरोव को हराकर अमन क्वार्टरफाइनल में पहुंचे थे।

अपने पदार्पण ओलंपिक अमन भारत के एकमात्र पुरुष पहलवान है जिसने पेरिस ओलंपिक में देश के लिये कुश्ती में पहला पदक जीता है। 21 वर्षीय अमन पिछले वर्ष एशियाई चैंपियन और एशियाई खेलों में भी कांस्य पदक जीता था।

क्या दक्षिण भारत में नए राजनैतिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर्नाटक सरकार ने आठ खुमरी हाथी तोहफे में दिए हैं, जिन्हें वे आंध्रप्रदेश ले गए हैं। ये प्रशिक्षित हाथी हैं, जिनका इस्तेमाल जंगली हाथियों को पकड़ने और नियन्त्रित करने के लिए किया जाता है। उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण तथा कर्नाटक के पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास, पर्यावरण, वन, विज्ञान एवं तकनीकी मंत्री ईश्वर बी. खांद्रे के साथ बैंग्लुरू में हुई सफल बातचीत के बाद कर्नाटक उन्हें हाथी देने पर सहमत हो गया।

चित्तूर तथा पार्वतीपुरम मण्यम जिलों की बस्तियों में जंगली हाथियों का प्रवेश रोकने के लिए आंध्र सरकार इन हाथियों को लेकर आई है। मंत्रियों ने उन हाथियों के प्रबन्धन पर भी चर्चा की, जो आंध्र प्रदेश और कर्नाटक की सीमा पर आते-जाते रहते हैं।

जिन सात विषयों पर चर्चा हुई, उनमें लाल चंदन की तस्करी का बड़ा मुद्दा भी शामिल था। इस विषय पर हाल ही में पुष्पा नामक फिल्म बनाई गई थी, जो बेहद लोकप्रिय रही। पवन कल्याण को बताया गया कि कर्नाटक ने आंध्र प्रदेश से तस्करी कर लाया गया 140 करोड़ रुपए मूल्य का लाल चंदन जब्त किया है।

पवन कल्याण ने मीडिया को बताया कि उन्होंने जब्त सम्पत्ति के बारे में एक कानूनी फ्रेमवर्क बनाया जाना स्वीकार किया और दोनों ही सरकारें इस मुद्दे पर चर्चा करेंगी।

दोनों राज्यों ने लाल चंदन की तस्करी तथा जंगल के उत्पादों को लेकर हो रही अन्य अवैध गतिविधियों की रोकथाम में सहयोग पर भी चर्चा की। पवन ने बताया कि "हमने जंगल के जीवन को संरक्षित रखने और शिकारियों की समस्या को हल कर करने को लेकर सैटेलाइट्स सहित आधुनिक तकनीकी के इस्तेमाल पर चर्चा की। अन्य मुद्दों के अलावा ईको-टूरिज़्म तथा जंगल सफारी पर भी चर्चा हुई।

अभिनेता से नेता बने पवन कल्याण ने यह भी बताया कि कर्नाटक सरकार के इस अनुरोध को पूरा करने का भी प्रयास किया जाएगा कि तिरूपति और श्रीशैलम जाने वाले तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिए भूमि आवंटन किया जाए तथा उनकी मांग मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू तथा उनके मंत्रिमण्डल तक पहुंचा दी जाएगी। पवन कल्याण ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से भी मुलाकात की।

पवन कल्याण ने संयुक्त प्रैस कांफ्रैस के दौरान पुष्पा फिल्म पर एक दिलचस्प टिप्पणी करते हुए कहा कि "चालीस साल पहले फिल्मों के हीरो जंगलों के संरक्षक की भूमिका निभाया करते थे, और आज का हीरो एक ऐसे तस्कर की भूमिका निभाता है जो जंगल के पेड़ काटकर धन एकत्रित करता है।" उल्लेखनीय है कि पवन कल्याण के भतीजे अल्लू अर्जुन ने "पुष्पा द राईज" और उसकी अगली कड़ी "पुष्पा द रूल" फिल्मों में लाल चंदन के तस्कर की भूमिका निभाई है।

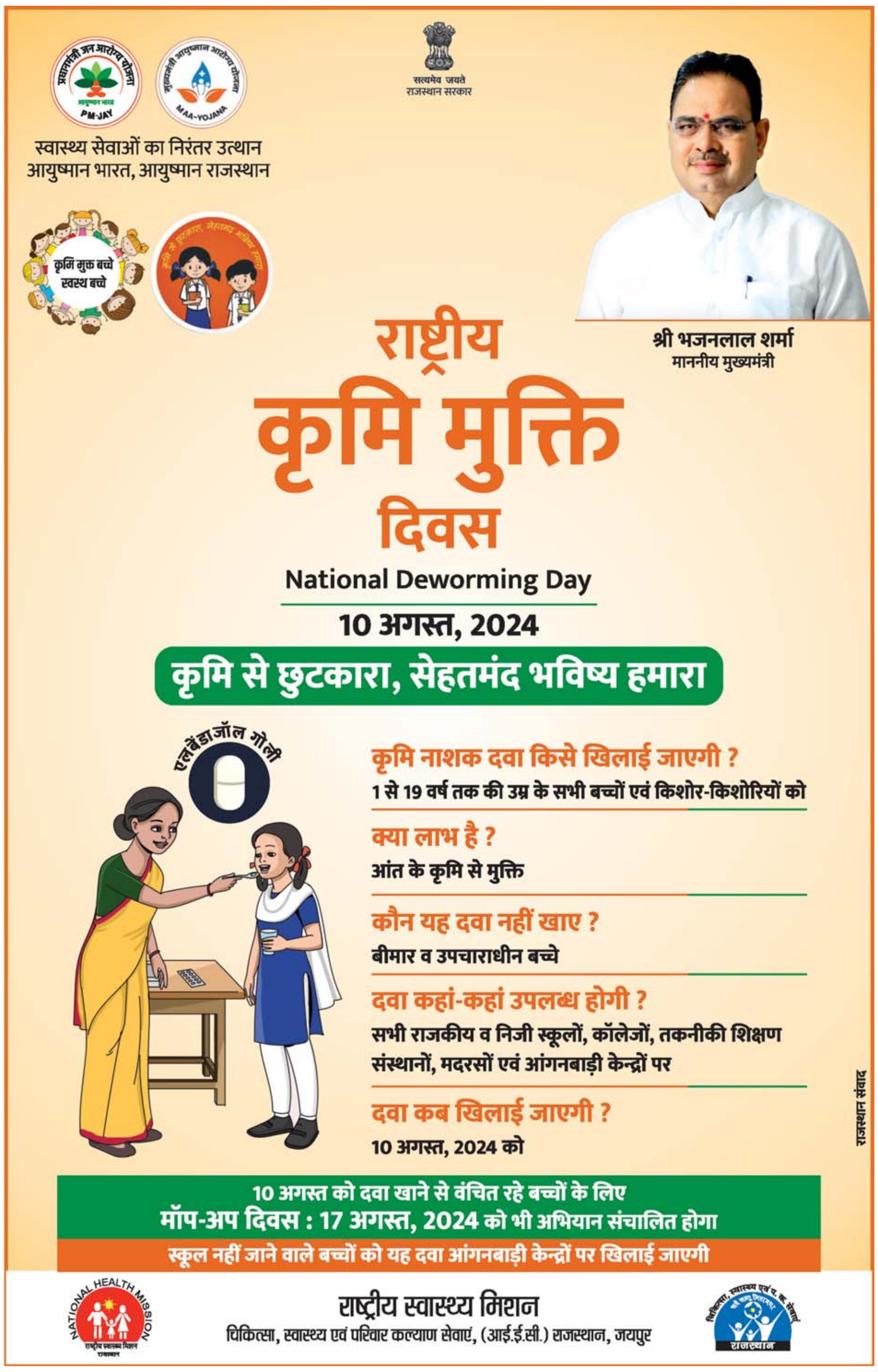

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय** : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **बीकानेर कार्यालय** : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **जालोर कार्यालय** :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय** :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय** : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908